मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 43
गुरुवार, 20 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सरकार ने युवाओं का भविष्य बर्बाद किया, हमें 'एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट रोडमैप' तैयार करना हैः खरगे

नई दिल्ली, 19 अगस्त। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर युवाओं का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस को भविष्य की तैयारी के लिहाज से युवाओं के लिए स्पष्ट, व्यापक और समयबद्ध ''एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट रोडमैप'' तैयार करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में दिए अपने अध्यक्षीय भाषण में राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी का मुद्दा भी उठाया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में मौन हैं।

खरगे ने कहा कि केवल कुछ लोगों को जेल भेज देने से मामला समाप्त नहीं होगा और प्रधानमंत्री को इस विषय पर जवाब देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और युवा देश का भविष्य हैं, लेकिन सरकार की ''गलत नीतियों'' ने उन्हें ''हताशा के दलदल'' में धकेल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सांप्रदायिक उन्माद और ''रेवड़ी कल्चर'' की होड़ में युवाओं की शिक्षा और रोजगार की सबसे अधिक उपेक्षा हुई है। उन्होंने कहा, ''पिछले 12 वर्षों में मोदी सरकार ने युवाओं के भविष्य को तबाह कर दिया है।''

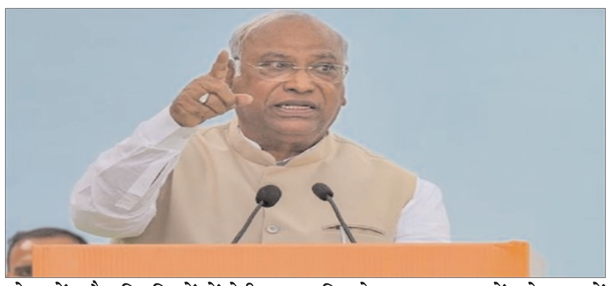

खरगे ने आरोप लगाया कि शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों के कब्जा हो गया है। उन्होंने कहा कि पढ़-लिखकर नौकरी की तलाश में निकलने वाले युवाओं को पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में कथित घोटालों और नियुक्तियों में देरी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे अधिक असर गरीब और कमजोर तबकों के छात्रों पर पड़ता है। खरगे ने कहा, ''युवाओं में उभरा रोष ''कोई एक दिन का'' नहीं है और सरकार के पास उनकी बातें सुनने की फुर्सत कभी नहीं रही। सरकार समस्या का स्थायी समाधान करने के बजाय हर बार अस्थायी उपाय तलाशती रही, जिसके कारण युवाओं को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा।''

उनका कहना था कि कांग्रेस ने युवाओं की समस्याओं को अपने एजेंडे में शामिल किया है और राहुल गांधी ने ''छात्रों की गूंज'' कार्यक्रम के माध्यम से उनकी आवाज को राष्ट्रीय पटल पर रखा है। खरगे ने हालिया मानसून सत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद में कांग्रेस ने शिक्षा और परीक्षाओं के मुद्दे पर व्यापक चर्चा तथा छात्रों के साथ हुई कथित ज्यादती पर बहस और जवाबदेही तय करने का प्रयास किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पूरे मानसून सत्र में सवालों से बचते रहे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस को भविष्य की तैयारी के लिहाज से युवाओं के लिए स्पष्ट, व्यापक और समयबद्ध ''एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट रोडमैप'' (शिक्षा से रोजगार तक की रूपरेखा) तैयार करना चाहिए। न के साथ सीमा विवाद का उल्लेख करते हुए खरगे ने दावा किया कि सीमा पर कथित अतिक्रमण से जुड़े गंभीर तथ्य सामने आए हैं और सरकार को इस पर ईमानदारी से अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि

बार-बार समन के बावजूद गैर-हाजिरीः महुआ मोइत्रा के खिलाफ कोर्ट ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट

कोलकता, 19 अगस्त। कृष्णानगर कोर्ट ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। उन्हें भारतीय सेना के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोपों के सिलसिले में कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया गया था, लेकिन वह पेश होने से बच रही थीं। नतीजतन, कोर्ट ने सांसद के खिलाफ यह कार्रवाई की। महुआ मोइत्रा पर एक इंटरव्यू के दौरान भारतीय सेना के बारे में विवादित टिप्पणी करने का आरोप था। उन टिप्पणियों के बाद, कृष्णानगर की ACJM कोर्ट में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

कोर्ट के सूत्रों के मुताबिक, तृणमूल सांसद को सुनवाई के लिए कई बार व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया गया था। हालांकि, बार-बार समन भेजे जाने के बावजूद, वह कथित तौर पर कोर्ट के सामने पेश नहीं हुईं। आखिरकार, आदेशों का पालन न करने पर कृष्णानगर कोर्ट ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। मोइत्रा के खिलाफ महिलाओं का अपमान करने और नफरत फैलाने वाला भाषण देने का आरोप लगाते हुए एक मामला दर्ज किया गया था, जिसके लिए कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था। बार-बार समन भेजे जाने के बावजूद पेश न होने का हवाला देते हुए, कृष्णानगर कोर्ट के तीसरे ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने मोइत्रा के खिलाफ तुरंत गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया। जज ने मंगलवार को टीएमसी सांसद को अगले दिन कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन वह वहां मौजूद नहीं थीं। स्थानीय अदालत के जज ने अपने आदेश में कहा कि मोइत्रा के वकील ने बताया कि वह किसी भी समय अदालत में पेश नहीं होंगी, क्योंकि उन्हें अदालत के प्रति कोई सम्मान नहीं है। सांसद के वकील ने अदालत में आशंका जताई कि अगर वह पेश होती हैं, तो अदालत परिसर के बाहर उनके साथ बदसलूकी हो सकती है। कृष्णानगर पुलिस ज़िले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके खिलाफ धारा 79 (महिला की गरिमा का अपमान), धारा 196 (समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाना), धारा 351 (आपराधिक धमकी) और धारा 353(2) (हेट स्पीच) के तहत शिकायत दर्ज की गई थी।

दिल्ली के टिकरी कलां सीएनजी पंप पर भीषण धमाका, 3 की मौत, 5 घायल

नई दिल्ली, 19 अगस्त। दिल्ली के टिकरी कलां इलाके में बुधवार को एक CNG स्टेशन पर धमाका हुआ, जिसमें तीन व्यक्तियों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब एक ट्रक में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस भरी जा रही थी। दिल्ली पुलिस ने एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, यह घटना पंप पर CNG भरते समय हुई। बताया जा रहा है कि धमाके के समय घायल लोग स्टेशन पर ही मौजूद थे।

दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, इस घटना की सूचना दोपहर 3:37 बजे मिली। धमाके में ट्रक के पास खड़े लोग घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। धमाके की जानकारी मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस ने छह दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजीं। दमकलकर्मी सीएनजी स्टेशन पहुंचे और एहतियाती कदम उठाए ताकि स्थिति और न बिगड़े। घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों की हालत के बारे में और जानकारी का इंतजार है। धमाके की सही वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। फायर सर्विस के एक अधिकारी ने कहा कि इस बात की जांच की जाएगी कि री-फ्यूलिंग के दौरान ट्रक का गैस टैंक क्यों फटा। फायर सर्विस के कर्मचारियों ने मौके पर जरूरी सुरक्षा उपाय किए और स्थिति को काबू में किया। जांच जारी रहने के साथ ही अधिकारी घटना से जुड़े हालात का जायजा ले रहे हैं।

अपने 600वें टेस्ट में जीता भारतः गॉल में श्रीलंका को 165 रन से हराया

गॉल, 19 अगस्त। भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन से जीत हासिल की है। यह भारत का 600वां टेस्ट था और शुभमन गिल की टीम ने इसमें जीत हासिल की। जीत के लिए मिले 372 रन के लक्ष्य के जवाब में श्रीलंका की दूसरी पारी 206 रन पर सिमट गई। मानव सुथार ने छह विकेट लिए। इस जीत के साथ टीम इंडिया दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है। सीरीज का दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। गॉल में दोनों टीमें टेस्ट में छह बार आमने-सामने आई हैं। इसमें से सभी छह मैचों के जीत या हार में नतीजे निकले हैं, यानी कोई टेस्ट ड्रॉ नहीं हुआ। भारत और श्रीलंका के बीच यहां छह टेस्ट खेले गए और भारत ने तीन मैच जीते हैं और तीन गंवाए हैं। भारतीय टीम गॉल में इस टेस्ट से पहले श्रीलंका से पिछली बार जुलाई 2017 में भिड़ी थी। तब टीम इंडिया ने 304 रन से जीत हासिल की थी। यानी गॉल में भारत ने लगातार दूसरा टेस्ट जीता। 2014 के बाद से गॉल में खेले गए 28 टेस्ट मैचों में केवल एक ही मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ है, वह भी पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ खेला गया बारिश से प्रभावित टेस्ट था। यानी अन्य 27 टेस्ट के नतीजे हार-जीत में निकले हैं।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 462 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी। टीम इंडिया को दूसरी पारी में 178 रन की बढ़त हासिल थी। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाए और कुल 371 रन की बढ़त हासिल की और इस तरह श्रीलंका को 372 रन का लक्ष्य मिला था। मानव ने मैच में कुल 10 विकेट लिए। पहली पारी में उन्होंने चार विकेट झटके थे। मानव ने इससे पहले अफगानिस्तान के खिलाफ जून में हुए टेस्ट में पहली पारी में 33 रन देकर छह विकेट झटके थे। हालांकि, गॉल में उनके शानदार प्रदर्शन के बावजूद देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पडिक्कल ने गॉल में पहली पारी में 167 रन बनाए और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे।

इससे पहले चौथे दिन श्रीलंका की दूसरी पारी में निशान मदुष्का छह रन, लाहिरू उदारा 16 रन और कामिंदु मेंडिस दो रन बनाकर आउट हुए थे। दिनेश चांदीमल के कन्कशन के तौर पर आए पासिंदु सूरियाबंदारा खाता नहीं खोल सके थे। भारत के लिए पहली पारी में देवदत्त पडिक्कल ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने सबसे ज्यादा 167 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने 15 चौके और एक छक्का लगाया।

इसके अलावा केएल राहुल ने 10 चौके और एक छक्के की मदद से 82 रन बनाए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने 51 रन की पारी खेली। इनके अलावा कोई भारतीय बल्लेबाज 50+ का आंकड़ा नहीं छू सका।

यशस्वी जायसवाल 32 रन, कप्तान शुभमन गिल 16 रन, ऋषभ पंत 39 रन, रवींद्र जडेजा 13 रन, मानव सुथार 24 रन, मोहम्मद सिराज 11 रन और प्रसिद्ध कृष्णा दो रन बनाकर आउट हुए। कुलदीप यादव 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या ने सबसे ज्यादा चार विकेट झटके। वहीं, केशारा नुवांथा को तीन विकेट मिले। असिथा फर्नांडो ने दो विकेट झटके। थोड़ी देर में श्रीलंका की पहली पारी शुरू होगी।

कोलकाता होटल अग्निकांडः हादसे में मरे 9 लोगों में 5 बांग्लादेशी नागरिक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में कई होटलों वाली पांच मंजिला इमारत में बुधवार को लगी आग में मरने वाले नौ लोगों में पांच बांग्लादेशी नागरिक शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि स्थानीय पुलिस ने मृतकों में से पांच की पहचान बांग्लादेशी नागरिकों के रूप में की है। मंत्रालय ने बताया कि इन पांच बांग्लादेशी मृतकों में से चार एक ही परिवार के थे। 'द डेली स्टार' अखबार ने बताया, मारे गए लोगों में एक पत्रकार और उनके परिवार के तीन सदस्य शामिल थे। बयान के अनुसार, छह अन्य बांग्लादेशी नागरिक आग में घायल हो गए थे और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

केन-बेतवा प्रोजेक्टः राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, आदिवासियों का दमन असहनीय

नई दिल्ली, 19 अगस्त। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का विरोध कर रहे बुंदेलखंड के आदिवासी निवासियों का समर्थन किया है। ये आदिवासी उचित मुआवजे और पुनर्वास की मांग कर रहे हैं। 19 अगस्त को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि हमारे आदिवासी भाई-बहनों की इस लड़ाई में, मैं और कांग्रेस उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने आदिवासी निवासियों की आपबीती साझा करते हुए कहा कि केन-बेतवा परियोजना के खिलाफ सत्याग्रह कर रहे आदिवासी भाई-बहनों की समस्याएं, मांगें, संघर्ष और निजी परेशानियां झ उन्हीं की जुबानी। गांधी ने आगे कहा कि बुंदेलखंड के ये निवासी सालों से सिर्फ. अपने अधिकारों के लिए अन्याय और दमन सह रहे हैं; वे सम्मान और समर्थन के हकदार हैं।

इससे पहले जुलाई में, गांधी ने पर एक कविता और तस्वीरें पोस्ट की थीं, जिसमें उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से उचित मुआवजे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों का ज़िक्र किया था और आदिवासी लोगों को ₹देश का असली मालिक₹ बताया था। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह सच और अहिंसक विरोध, दोनों से डरती है, और अगस्त की शुरूआत में छतरपुर में पुलिस की कार्रवाई की निंदा की। गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश के आदिवासी भाई-बहन जल सत्याग्रह और भूख हड़ताल पर बैठे थे क्योंकि केन-बेतवा परियोजना के लिए उनकी जमीन ले ली गई थी, लेकिन उन्हें न तो उचित मुआवजा मिला और न ही सम्मानजनक पुनर्वास। 'सच' यह है कि आदिवासी देश के असली मालिक हैं झ पानी, जंगल और जमीन पर पहला अधिकार उन्हीं का है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

परीक्षा की शुचिता और नौकरी की सुरक्षाः झारखंड की चुनौती

-ललित गर्ग

झारखंड में सरकारी भर्ती परीक्षाओं को लेकर पिछले पच्चीस दिनों से चला आ रहा छात्र आंदोलन अब एक नए और अधिक जटिल चरण में पहुंच गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने छात्र आंदोलन के दबाव, परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और परीक्षा संचालन की विश्वसनीयता पर उठे गंभीर सवालों के बीच जेएसएससी-सीजीएल, चैदवीं जेपीएससी सहित टीडीपीएल से जुड़ी अनेक भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की है। सरकार ने वर्ष 2014 के बाद हुई नियुक्ति परीक्षाओं की जांच कराने और व्यवस्था में सुधार के लिए भी कदम उठाने की बात कही है। इस फैसले से आंदोलनरत छात्रों को बड़ी राहत मिली है, लेकिन इसके साथ ही पहले से चयनित होकर सरकारी सेवा में कार्यरत हजारों युवाओं के सामने रोजगार और भविष्य का

संकट खड़ा हो गया है। यही विरोधाभास झारखंड के वर्तमान भर्ती विवाद को केवल परीक्षा घोटाले का मामला न बनाकर न्याय, प्रशासनिक जवाबदेही और मानवीय संवेदना का गंभीर प्रश्न बना देता है। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 25 जुलाई 2026 से शुरू हुआ छात्रों का आंदोलन जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, अनियमितताओं और पारदर्शिता की कमी के विरोध में था। छात्र विभिन्न परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच, संदिग्ध प्रक्रियाओं को निरस्त करने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सोलह दिनों तक आमरण अनशन किया। सरकार की घोषणा के बाद उन्होंने अनशन समाप्त किया, हालांकि कुछ छात्र अब भी केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग पर कायम हैं। सरकार ने आठ अलग-अलग अधिसूचनाओं के माध्यम से कुल 44 परीक्षाओं को रद्द करने की सूची जारी की है। यदि किसी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक हुआ हो, संगठित धांधली हुई हो या चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली गंभीर अनियमितता प्रमाणित हो, तो उस परीक्षा की जांच और आवश्यक होने पर परीक्षा रद्द करना स्वाभाविक रूप से जरूरी है। सरकारी नौकरी के लिए प्रतियोगिता करने वाले लाखों युवाओं का विश्वास तभी कायम रह सकता है, जब उन्हें यह भरोसा हो कि उनकी मेहनत किसी दलाल, भ्रष्ट अधिकारी, परीक्षा संचालक या अनुचित साधन अपनाने वाले व्यक्ति के कारण व्यर्थ नहीं जाएगी। इसलिए छात्रों की पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था की मांग पूरी तरह जायज है। लेकिन समस्या उस समय गंभीर हो जाती है जब किसी परीक्षा में हुई सामूहिक अनियमितता के कारण उन अभ्यर्थियों को भी नौकरी से हटाने का फैसला किया जाता है जिनके विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किसी गलत आचरण का प्रमाण नहीं है। जेएसएससी-सीजीएल के चयनित कर्मचारियों का वर्तमान विरोध इसी मूल प्रश्न को सामने रखता है। दिसंबर 2023 में परीक्षा आयोजित हुई थी। पेपर लीक के आरोपों के बाद सितंबर 2024 में परीक्षा दोबारा आयोजित की गई। मामला न्यायालय तक पहुंचा और न्यायिक प्रक्रिया के बाद परिणाम घोषित किए गए। सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी दिए गए और अनेक लोग सरकारी सेवा में कार्यरत हो गए। अब पूरी प्रक्रिया को निरस्त किए जाने से लगभग दो हजार चयनित कर्मचारी सीधे प्रभावित हुए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार लगभग 1975 लोगों की नियुक्तियां इस फैसले से प्रभावित हुई हैं। इन कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परीक्षा दी, सफलता प्राप्त की, नियुक्ति पत्र पाया और सेवा में योगदान किया। यदि किसी स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है तो उसकी जांच हो, लेकिन सभी चयनित अभ्यर्थियों को दोषी मानकर नौकरी से हटाना न्यायसंगत नहीं है।

सरकारी नौकरी मिलने के बाद अनेक युवाओं ने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ऋण लिया, मकान या अन्य आवश्यकताओं के लिए वित्तीय जिम्मेदारियां उठाईं और अपनी दूसरी नौकरियां छोड़ दीं। उनके जीवन की योजनाएं नियमित वेतन और सरकारी सेवा की स्थिरता पर आधारित हो गईं। हटाए गए कर्मचारियों की पीड़ा और नाराजगी को भी उसी गंभीरता से सुना जाना चाहिए, जिस गंभीरता से छात्रों की शिकायतें सुनी गई हैं। यहां मूल सवाल यह है कि परीक्षा में अनियमितता और अभ्यर्थी की व्यक्तिगत संलिप्तता के बीच अंतर कैसे किया जाए। यदि किसी अभ्यर्थी ने पेपर खरीदा, नकल की, अनुचित साधन अपनाया या किसी दलाल के माध्यम से लाभ उठाया, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जिसने बिना किसी सिद्ध कदाचार के परीक्षा दी, परिणाम में सफल हुआ और नियुक्त होकर सेवा कर रहा है, उसे केवल परीक्षा प्रक्रिया की खामी को आधार बनाकर सामूहिक दंड देना न्याय के सिद्धांतों पर प्रश्न खड़े करता है। दोषी को बचाना अन्याय है, लेकिन निर्दोष को दंडित करना भी उतना ही बड़ा अन्याय है। सरकार को इसी संतुलन की कसौटी पर अपने निर्णय को परखना होगा। राज्य सरकार के सामने अब दोहरी चुनौती है। उसे एक ओर आंदोलनरत छात्रों के विश्वास को बनाए रखना है और दूसरी ओर हटाए गए कर्मचारियों के अधिकारों तथा आजीविका की रक्षा का रास्ता तलाशना है। केवल परीक्षा रद्द कर देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। सरकार को स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच करानी होगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि अनियमितता किस स्तर पर हुई, कौन लोग इसके लिए जिम्मेदार थे और किन अभ्यर्थियों ने अनुचित लाभ उठाया। जांच की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिस पर छात्र भी विश्वास कर सकें और चयनित कर्मचारी भी। यदि जांच निष्पक्ष होगी तो दोषियों पर कार्रवाई के साथ निर्दोषों को राहत देने का मार्ग भी निकलेगा।

सरकार को अपने निर्णय को कानूनी आधार पर स्पष्ट करना होगा और प्रभावित कर्मचारियों को अपनी बात रखने का उचित अवसर देना होगा। किसी भी प्रशासनिक निर्णय की मजबूती केवल उसकी मंशा से नहीं, बल्कि उसकी विधिक प्रक्रिया और न्यायसंगतता से तय होती है। यदि कर्मचारियों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया है तो उन्हें कानून के माध्यम से अपना पक्ष रखने का पूरा अधिकार है। सरकार को भी न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए पारदर्शी ढंग से सभी दस्तावेज और जांच के तथ्य सामने रखने चाहिए। झारखंड का यह संकट केवल एक राज्य की भर्ती व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता से जुड़े बड़े सवाल की ओर संकेत करता है। एक पेपर लीक या भर्ती में धांधली लाखों युवाओं की मेहनत, समय और मानसिक ऊर्जा को प्रभावित करती है। इसलिए प्रश्नपत्र की सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, डिजिटल व्यवस्था, मूल्यांकन की पारदर्शिता और परिणामों की विश्वसनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निजी परीक्षा एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपने की स्थिति में उनकी जवाबदेही, निगरानी और दंड की स्पष्ट व्यवस्था जरूरी है। किसी एजेंसी की गलती के कारण पूरी पीढ़ी का भविष्य अनिश्चित नहीं होना चाहिए। सरकार को अब ऐसा स्थायी तंत्र विकसित करना चाहिए जिसमें परीक्षा प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की जवाबदेही तय हो। शिकायतों के निवारण की समयबद्ध व्यवस्था भी होनी चाहिए, ताकि छात्रों को आंदोलन या लंबी कानूनी लड़ाई का सहारा लेने की आवश्यकता कम हो। साथ ही, यदि किसी परीक्षा में गंभीर गड़बड़ी प्रमाणित हो जाती है तो दोषियों पर त्वरित कार्रवाई और प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए न्यायपूर्ण वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए। झारखंड में वर्तमान परिस्थिति से सबसे बड़ी सीख यही है कि सरकार को छात्रों और कर्मचारियों में से किसी एक को चुनने के बजाय न्याय का रास्ता चुनना होगा। छात्रों की मेहनत और भविष्य की रक्षा जरूरी है, लेकिन निर्दोष चयनित कर्मचारियों की आजीविका और गरिमा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। परीक्षा रद्द करना अंतिम समाधान नहीं, बल्कि एक कठिन प्रक्रिया की शुरुआत है। वास्तविक सफलता तब होगी जब दोषी पहचाने जाएं, भ्रष्ट तंत्र पर कठोर प्रहार हो, निर्दोषों को राहत मिले और भविष्य की भर्ती व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी बने। सरकार यदि निष्पक्ष जांच, कानूनी प्रक्रिया, मानवीय संवेदना और संस्थागत सुधार के आधार पर आगे बढ़ती है तो आज का संकट झारखंड की भर्ती व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय बनाने का अवसर बन सकता है। अन्यथा एक आंदोलन समाप्त होकर दूसरा आंदोलन शुरू होता रहेगा और सबसे बड़ी कीमत वही युवा पीढ़ी चुकाएगी, जो मेहनत के बल पर अपने भविष्य का निर्माण करना चाहती है।

चौराहे पर बांग्लादेशः बदलाव, अनिश्चितता और नई राह की तलाश

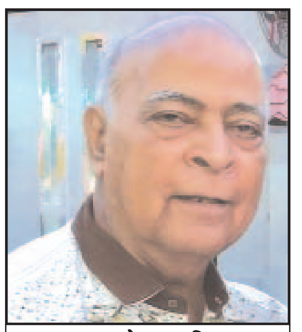

अशोक भाटिया

बांग्लादेश आज अपने इतिहास के एक ऐसे संवेदनशील मोड़ पर खड़ा है, जिसे कूटनीतिक और राजनीतिक विश्लेषक 'चौराहे' का नाम दे रहे हैं। सत्ता के तख्तापलट, व्यापक छात्र आंदोलनों और एक दीर्घकालिक शासन के अचानक अंत के बाद, यह दक्षिण एशियाई राष्ट्र वर्तमान में एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जब कोई देश ऐसे चौराहे पर खड़ा होता है, तो सबसे बड़ा और यक्ष प्रश्न यही उठता है कि 'जाए तो जाए कहां?' क्या यह देश एक पूर्ण, पारदर्शी और समावेशी लोकतंत्र की ओर बढ़ेगा, या फिर यह राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक मंदी और आंतरिक संघर्षों के एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस जाएगा जिससे निकलना आने वाले दशकों तक मुश्किल हो जाएगा? यह संपादकीय इसी गंभीर प्रश्न के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करता है, जिसमें राजनीतिक पुनर्गठन, प्रशासनिक चुनौतियां, आर्थिक संकट, सामाजिक ताना-बाना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जटिल समीकरण शामिल हैं।

अगस्त 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद, बांग्लादेश ने नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार की स्थापना देखी। इस बदलाव को देश की जनता, विशेषकर युवाओं ने 'दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन' या 'सच्ची मुक्ति' का नाम दिया। छात्र आंदोलनों ने जिस तरह एक शक्तिशाली शासन को उखाड़ फेंका, उसने पूरी दुनिया को चौंका दिया। लेकिन सत्ता बदल देना जितना चुनौतीपूर्ण होता है, व्यवस्था को संभालना और एक नई पारदर्शी प्रणाली का निर्माण करना उससे कहीं अधिक जटिल होता है। शुरूआती दौर में जो उत्साह और उम्मीदें थीं, वे धीरे-धीरे प्रशासनिक और व्यावहारिक चुनौतियों के धरातल पर आकर थमती दिखाई दे रही हैं। अंतरिम सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह देश में सामान्य स्थिति कब और कैसे बहाल करे, और एक ऐसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुरूआत करे जो निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वस्वीकार्य हो।

जब एक लंबा राजनीतिक ढांचा अचानक ढह जाता है, तो देश में एक बड़ा राजनीतिक शून्य पैदा हो जाता है। बांग्लादेश वर्तमान में इसी शून्यता से जूझ रहा है। अवामी लीग के कमजोर होने के बाद, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टियां राजनीतिक पटल पर फिर से सक्रिय हो गई हैं। इस चौराहे पर खड़ा बांग्लादेश अगर सही दिशा में कदम बढ़ाना चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्जीवित करना होगा। देश में एक ऐसे स्वतंत्र और शक्तिशाली चुनाव आयोग की आवश्यकता है, जिस पर सभी राजनीतिक दलों और आम जनता को पूरा भरोसा हो। अतीत में चुनावों की निष्पक्षता पर लगे दागों को धोना इस नए आयोग की सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

इसके साथ ही, केवल सरकार बदल देना काफी नहीं है। जब तक पुलिस, न्यायपालिका और नौकरशाही का राजनीतिकरण बंद नहीं होगा, तब तक किसी भी नए लोकतांत्रिक ढांचे की नींव कमजोर ही रहेगी। अंतरिम सरकार ने इसके लिए विभिन्न आयोगों का गठन किया है, लेकिन इन सुधारों को जमीन पर उतारना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। देश में एक ऐसा राजनीतिक माहौल तैयार करना होगा जहां हर विचारधारा को अपनी बात रखने का मौका मिले, बशर्ते वह लोकतांत्रिक मूल्यों के दायरे में हो। प्रतिशोध की राजनीति को छोड़कर समावेशी राजनीति को अपनाना ही बांग्लादेश को इस चौराहे से सुरक्षित बाहर निकाल सकता है।

राजनीतिक उथल-पुथल का सबसे सीधा और गहरा असर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। बांग्लादेश, जो कभी विकास दर के मामले में दक्षिण एशिया का चमकता सितारा माना जाता था, आज गंभीर आर्थिक चुनौतियों से घिरा हुआ है। लंबे समय तक चले कर्फ्यू, हड़तालों, इंटरनेट शटडाउन और कारखानों के बंद रहने के कारण देश की आर्थिक रीढ़ को भारी

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

नुकसान पहुंचा है। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था का मुख्य स्तंभ उसका रेडीमेड गारमेंट उद्योग है। देश के कुल निर्यात का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है और यह लाखों लोगों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार देता है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण कई विदेशी खरीदारों ने अपने ऑर्डर वियतनाम, भारत और कंबोडिया जैसे देशों की तरफ मोड़ दिए हैं। अगर बांग्लादेश को अपनी अर्थव्यवस्था को बचाना है, तो उसे जल्द से जल्द इन कारखानों में पूर्ण सुरक्षा और निर्बाध उत्पादन सुनिश्चित करना होगा ताकि वैश्विक बाजारों में उसका खोया हुआ भरोसा वापस लौट सके। आर्थिक मोर्चे पर दूसरी बड़ी समस्या देश का विदेशी मुद्रा भंडार है, जो पिछले कुछ समय से लगातार दबाव में है। इसके साथ ही, बैंकिंग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गैर-निष्पादित आस्तियां यानी डूबता हुआ कर्ज एक गंभीर संकट बन चुका है। केंद्रीय बैंक और अंतरिम सरकार वित्तीय अनुशासन लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जब तक बैंकिंग प्रणाली से भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को पूरी तरह खत्म नहीं किया जाता, तब तक आर्थिक स्थिरता एक दूर का सपना बनी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक से मिलने वाली वित्तीय सहायता इस समय देश के लिए एक संजीवनी की तरह है, लेकिन इसके साथ आने वाली शर्तें भी देश की आंतरिक नीतियों को प्रभावित कर रही हैं।

आम नागरिक के लिए सबसे बड़ी समस्या रसोई का बजट और रोजगार है। आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतें और दैनिक जीवन का खर्च आम जनता के धैर्य की परीक्षा ले रहा है। छात्र आंदोलन की मुख्य मांग ही रोजगार के समान अवसर और कोटा प्रणाली में सुधार थी। अब जब नई व्यवस्था आ चुकी है, तो युवाओं को रोजगार के वास्तविक अवसर प्रदान करना सरकार के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि युवाओं की उम्मीदें निराशा में बदलीं, तो सामाजिक अशांति का एक नया दौर शुरू हो सकता है।

किसी भी देश की प्रगति उसके सामाजिक सद्भाव और आंतरिक सुरक्षा पर टिकी होती है। सत्ता परिवर्तन के बाद के हफ्तों में बांग्लादेश ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भारी शिथिलता देखी। पुलिस थानों पर हमले, पुलिसकर्मियों की अनुपस्थिति और प्रशासनिक पंगुता के कारण देश में एक प्रकार की अराजकता की स्थिति पैदा हो गई थी। हालांकि धीरे-धीरे स्थिति में सुधार हो रहा है, लेकिन पूरी तरह से सुरक्षित माहौल का निर्माण होना अभी बाकी है। इस बदलाव के दौर में बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय, के खिलाफ हिंसा और उनकी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आईं। हालांकि नागरिक समाज और छात्रों ने इन संपत्तियों की रक्षा के लिए मानव श्रृंखलाएं बनाईं, लेकिन इन घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश की छवि को प्रभावित किया है। एक धर्मनिरपेक्ष और समावेशी बांग्लादेश का निर्माण तभी संभव है जब हर नागरिक, चाहे उसका धर्म या जाति कुछ भी हो, खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करे।

इसके अलावा, अतीत के शासकों और उनके समर्थकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होना स्वाभाविक है, लेकिन यह कार्रवाई न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए, न कि प्रतिशोध की भावना से। यदि नई व्यवस्था भी वही गलतियां दोहराती है जो पुरानी व्यवस्था ने की थीं, तो देश में लोकतंत्र का आगमन केवल एक छलावा बनकर रह जाएगा। समाज में शांति और स्थिरता तभी लौट सकती है जब लोगों को यह विश्वास हो कि नई सरकार निष्पक्षता और न्याय के पथ पर चल रही है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बांग्लादेश एक बेहद महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक चौराहे पर खड़ा है। बंगाल की खाड़ी में अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण बांग्लादेश हमेशा से वैश्विक शक्तियों के आकर्षण का केंद्र रहा है। भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिम के देशों के साथ संबंधों को संतुलित करना अंतरिम और आने वाली चुनी हुई सरकार के लिए एक बहुत बड़ी कूटनीतिक परीक्षा होगी। भारत और बांग्लादेश का इतिहास, संस्कृति और भूगोल एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। शेख हसीना के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंध अपने सबसे सुनहरे दौर में थे। सत्ता परिवर्तन के बाद, भारत के लिए बांग्लादेश में एक नया कूटनीतिक परिदृश्य सामने आया है। बांग्लादेश की नई सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह भारत के साथ पारस्परिक सम्मान और समानता के आधार पर मजबूत संबंध बनाए रखना चाहती है। दोनों देशों के बीच सीमा सुरक्षा, तीस्ता जल विवाद, व्यापार और पारगमन जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिनका समाधान परिपक्व कूटनीति के माध्यम से ही निकाला जा सकता है। भारत के लिए भी यह जरूरी है कि वह बांग्लादेश की जनता की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का सम्मान करे और वहां की नई व्यवस्था के साथ रचनात्मक जुड़ाव बनाए रखे।

दूसरी तरफ, चीन बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे के विकास में एक बड़ा साझेदार रहा है। वह इस बदलाव के दौर में भी अपने आर्थिक हितों को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहा है। इसके समानांतर, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ ने बांग्लादेश में लोकतांत्रिक सुधारों और मानवाधिकारों की बहाली का पुरजोर समर्थन किया है। बांग्लादेश को इस बात का ध्यान रखना होगा कि वह महाशक्तियों की आपसी प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा न बने, बल्कि अपनी विदेश नीति को देश के आर्थिक और रणनीतिक हितों के अनुरूप संचालित करे। किसी भी एक गुट की तरफ झुकाव देश की संप्रभुता और आर्थिक विकास के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। चौराहे पर बांग्लादेश, जाए तो जाए कहां? इस प्रश्न का उत्तर किसी एक व्यक्ति या एक सरकार के पास नहीं है। इसका उत्तर बांग्लादेश की सामूहिक चेतना, उसके राजनीतिक दलों की परिपक्वता और उसके युवाओं के संकल्प में छिपा है। बांग्लादेश के पास इतिहास रचने और एक नए, समृद्ध व लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में उभरने का यह एक अभूतपूर्व अवसर है। लेकिन इस मार्ग पर चलते हुए उसे अति-राष्ट्रवाद, प्रतिशोध की राजनीति, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक कुप्रबंधन के गड्ढों से बचना होगा।

इस चौराहे से आगे बढ़ने का केवल एक ही सही रास्ता हैः एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना जहां कानून का शासन सर्वोपरि हो, जहां अर्थव्यवस्था का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, और जहां हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी मिले। दुनिया उम्मीद और कौतूहल के साथ बांग्लादेश की ओर देख रही है, और यह समय बांग्लादेश के नेतृत्व के लिए अपनी दूरदर्शिता और दृढ़ता साबित करने का है।

वंदे मातरम प्रेमः हकीकत या फसाना

-निर्मल रानी

राष्ट्रीय गीत 'वंदेमातरम ' के 150 साल पूरे होने के अवसर पर 2026 के नये सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम बजाना और सभी के लिए सम्मान में खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही औपचारिक अवसरों पर इसके सभी छह छंदों को गाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपक्ष सहित कुछ अन्य संगठन इस अनिवार्य प्रोटोकॉल को संविधान के अनुच्छेद 25 अर्थात व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हैं। बहरहाल, इन सब के बावजूद 'वंदेमातरम ' को संसद में और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लाल किले पर गाया गया क बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा1875 में मूल रूप से बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखे इस गीत के शब्द काफी कठिन हैं। 6 छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं।

समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीवीजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को 'वंदे मातरम्' गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने 'वंदे मातरम्' की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर में भाजपा के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, मंच पर राष्ट्रगीत गाते समय गलत धुन और गलत वर्जन बज गया। कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों

में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं, जहाँ वे वंदे मातरम् और राष्ट्रगान (जन गण मन) के बीच अंतर करने में भ्रमित हो जाते हैं या गीत की पंक्तियों को आपस में मिला देते हैं। हाल ही में गुजरे संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जब 'वंदे मातरम्' को लेकर नया कानून और राष्ट्रगीत विवाद गरमाया, तो विपक्ष ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि ?जिन्होंने वंदे मातरम् को लेकर कड़े कानून बनाये हैं, हक ीकत यह है कि उनके अपने नेताओं और मंत्रियों को भी यह गीत पूरा याद नहीं है।

उधर मुस्लिम समुदाय के भीतर इस गीत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण और विचार हैं। हालाँकि समग्र मुस्लिम समाज 'वंदे मातरम्' गायन का विरोध नहीं करता है परन्तु समाज के कुछ लोग या कुछ धार्मिक संगठन इसके पूरे पाठ या कुछ विशिष्ट छंदों का विरोध करते हैं। जबकि अनेक अन्य मुस्लिम नागरिक,प्रतिष्ठित लोग और कलाकार इसे देशभक्ति के प्रतीक के रूप में सहजता से गाते भी हैं। दरअसल मुसलमानों के एक वर्ग के वंदे मातरम् का विरोध करने के पीछे मुख्य रूप से धार्मिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक कारण हैं। एकेश्वरवाद के सिद्धांत पर आधारित इस्लाम धर्म में केवल एक अल्लाह की इबादत की अनुमति है। जबकि वंदे मातरम् का शाब्दिक अर्थ ?माँ, मैं आपकी वंदना/पूजा करता हूँ? होता है जहाँ देश को एक देवी दुर्गा के रूप में चित्रित किया गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे धार्मिक संगठनों का मानना है कि अल्लाह के अलावा किसी भी अन्य सत्ता, भूमि या मूर्ति के सामने झुकना या उसकी पूजा करना उनके धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। कुछ इतिहासकारों और मुस्लिम विचारकों का मानना है कि इस उपन्यास की पृष्ठभूमि और कुछ अंशों में मुस्लिम विरोधी भावनाएं निहित थीं, जिससे इस गीत को लेकर ऐतिहासिक रूप से एक संशय पैदा हुआ। कई मुस्लिम नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों का यह तर्क भी है कि भारत का संविधान अनुच्छेद 19 और 25 नागरिकों को अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उनका कहना है कि देशभक्ति साबित करने के लिए किसी को भी ऐसा गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए जो उनकी धार्मिक आस्था से टकराता हो। हालांकि इस विषय पर मुस्लिम समाज भी एकमत नहीं है। कुछ उलेमाओं का मानना है कि इसके छंदों में मूर्तिपूजा और देवी स्वरूप की स्तुति शामिल है, इसलिए वे इसे गाने से परहेज करते हैं। यही वजह थी कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1937 में कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए ही इस गीत के केवल शुरूआती दो छंदों को ही राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया था। पहले दो छंदों में देश की प्राकृतिक सुंदरता (सुजलां सुफलां) का वर्णन है, जिस पर कई प्रगतिशील मुस्लिम संगठनों को कोई आपत्ति नहीं है। जबकि कई उदारवादी मुस्लिम, आम नागरिक और कलाकार इसे बिना किसी धार्मिक चश्मे के केवल अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम के रूप में देखते हैं। जैसे कि संगीतकार ए.आर. रहमान द्वारा गाया गया ?मां तुझे सलाम? 'वंदे मातरम' बेहद लोकप्रिय है। ऐतिहासिक रूप से भी, स्वतंत्रता संग्राम जैसे कि 1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महान मुस्लिम नेताओं ने इस गीत और नारे का खुलकर समर्थन किया था। इसलिए, वर्तमान में भी यह मुद्दा पूरे मुस्लिम समाज का नहीं, बल्कि व्यक्तिगत धार्मिक प्राथमिकताओं और आस्था से जुड़ा हुआ मुद्दा है। परन्तु आज जब देश का बड़ा वर्ग खासकर युवा शिक्षा की होती दुर्गति,पेपर लीक,भयंकर बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार, दयनीय स्वास्थ सेवाओं,बेतहाशा बढ़ती मंहगाई,मंदिर दान चोरी आदि से दुखी होकर सड़कों पर उतर रहा है। आज जब भारत में बाल कुपोष की यह स्थिति है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार हर दूसरा भारतीय बच्चा कुपोषित है,देश का गरीब व्यक्ति और गरीब होता जा रहा है,खुद सरकारी दावों के अनुसार 80 करोड़ लोग सरकार के 5 किलो मुफ़्त राशन पर आश्रित है। ऐसे में क्या वंदे मातरम गाने से लोगों को बेहतर जिन्दगी मिल सकेगी और उनका जीवन स्तर ऊपर उठ सकेगा ? या फिर भाजपा इसे अपने राजनैतिक स्वभाव के अनुरूप मात्र हिन्दू मुस्लिम के बीच का भावनात्मक मुद्दा बनाकर उछालना चाह रही है? वह भी तब जबकि इसके अपने अधिकांश सांसद व नेता न तो वंदे मातरम गा सकते हैं न ही उन्हें कंठस्थ है। दरअसल भाजपा द्वारा वंदे मातरम के प्रति प्रेम प्रदर्शन के पीछे की हक ीकत कुछ और है और फसाना कुछ और।

कुदरती प्रहार, जिंदगी लाचार

प्रकृति जीवनदायिनी है। वही धरती को अन्न देती है, नदियों को जल देती है, पेड़ों को हरियाली देती है और मनुष्य को सांस लेने के लिए हवा देती है। लेकिन जब प्रकृति का संतुलन बिगड़ता है, तो वही प्रकृति अपना रौद्र रूप भी दिखाती है। बाढ़, सूखा, भूकंप, भूस्खलन, चक्रवात, अतिवृष्टि और भीषण गर्मी जैसे प्राकृतिक संकट जब दस्तक देते हैं, तब इंसान की सारी वैज्ञानिक उपलब्धियां और आधुनिक सुविधाएं कई बार असहाय दिखाई देने लगती हैं। सच यही है कि कुदरती प्रहार के सामने जिंदगी लाचार हो जाती है।आज मौसम का मिजाज पहले जैसा स्थिर नहीं रहा। कहीं बादल बरसने का नाम नहीं लेते और धरती प्यास से तड़पती रहती है, तो कहीं थोड़े समय की तेज बारिश ही जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर देती है। खेतों में खड़ी फसलें पानी में डूब जाती हैं, सड़कें नदियों में बदल जाती हैं, घरों में पानी घुस जाता है और मेहनत से बनाई गई जिंदगी देखते ही देखते संकट में घिर जाती है। जिस किसान ने महीनों पसीना बहाकर फसल तैयार की, उसके लिए

-विक्रम दयाल

एक प्राकृतिक आपदा पूरे वर्ष की मेहनत पर पानी फेर देती है। प्राकृतिक आपदा का सबसे बड़ा दर्द यह है कि उसका आघात गरीब और कमजोर वर्ग पर सबसे अधिक पड़ता है। जिसके पास मजबूत मकान है, बचत है, बीमा है और संकट से निकलने के साधन हैं, वह किसी तरह संभल भी जाता है; लेकिन मजदूर, किसान, फुटपाथ पर रहने वाला व्यक्ति, छोटा दुकानदार और सीमित आय वाला परिवार आपदा के बाद अपनी जिंदगी फिर से खड़ी करने के लिए वर्षों संघर्ष करता है। प्रश्न यह भी है कि क्या हर प्राकृतिक आपदा केवल प्रकृति का प्रकोप है? शायद नहीं। मनुष्य ने विकास की दौड़ में प्रकृति के साथ जिस प्रकार खिलवाड़ किया है, उसका परिणाम भी अब सामने दिखाई देने लगा है। जंगलों की अंधाधुंध कटाई, नदियों और तालाबों पर अतिक्रमण, पहाड़ों का अनियंत्रित दोहन, कंक्रीट का लगातार फैलता जंगल, जलस्त्रोतों की उपेक्षा और पर्यावरण के प्रति बढ़ती लापरवाही ने प्राकृतिक संतुलन को कमजोर किया है। हमने नदियों के स्वाभाविक रास्ते रोक दिए और फिर बाढ़ आने पर नदी को दोष देने लगे। हमने पेड़ काटकर पहाड़ों को कमजोर किया और फिर भूस्खलन पर केवल प्रकृति को जिम्मेदार ठहराया। हमने धरती को कंक्रीट से ढक दिया और फिर वर्षा का पानी जमीन में न उतर पाने की शिकायत की। यह कैसी विकास-यात्रा है, जिसमें सुविधा तो बढ़ रही है, लेकिन जीवन की सुरक्षा घटती जा रही है? विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास किस काम का जो मनुष्य को ही संकट में डाल दे? सड़कें चाहिए, पुल चाहिए, उद्योग चाहिए, शहर चाहिए, लेकिन इनके निर्माण के साथ पर्यावरणीय संतुलन की चिंता भी उतनी ही जरूरी है। प्रकृति को केवल संसाधन समझना मनुष्य की सबसे बड़ी भूल है। प्रकृति कोई निर्जीव वस्तु नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का आधार है। आज आवश्यकता केवल आपदा आने के बाद राहत बांटने की नहीं, बल्कि आपदा से पहले तैयारी करने की है। मौसम की चेतावनियों को गंभीरता से लेना, बाढ़-प्रवण क्षेत्रों की वैज्ञानिक योजना बनाना, जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करना, तालाबों और नदियों को अतिक्रमण से मुक्त करना, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना और स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन की व्यवस्था मजबूत करना समय की मांग है। सरकार की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है, लेकिन समाज की भूमिका भी कम नहीं। प्रकृति के संरक्षण को केवल सरकारी योजना मानकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। एक पेड़ लगाना, पानी बचाना, प्लास्टिक का अनावश्यक उपयोग कम करना, जलस्त्रोतों को स्वच्छ रखना और पर्यावरण के प्रति जागरूक रहना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। आपदा के समय इंसानियत की परीक्षा भी होती है। ऐसे समय में किसी भूखे को भोजन देना, किसी बेघर को आश्रय देना, बुजुर्गों और बच्चों की सहायता करना तथा संकटग्रस्त परिवारों तक राहत पहुंचाना केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि मानवता का परिचय है। प्राकृतिक आपदा मनुष्य से बहुत कुछ छीन सकती है, लेकिन यदि समाज में संवेदना जीवित रहे तो टूटे हुए जीवन को फिर से खड़ा किया जा सकता है। यह भी समझना होगा कि प्रकृति से संघर्ष करके नहीं, बल्कि उसके साथ संतुलन बनाकर ही मानव सभ्यता आगे बढ़ सकती है। विज्ञान हमें आपदा की भविष्यवाणी और उससे बचाव के साधन दे सकता है, लेकिन विज्ञान प्रकृति के नियमों को समाप्त नहीं कर सकता। हमें आधुनिकता और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना ही होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम विकास की परिभाषा पर पुनर्विचार करें। केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और चमकते शहर ही विकास नहीं हैं। स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल, स्वस्थ पर्यावरण, संरक्षित जंगल, जीवंत नदियां और सुरक्षित नागरिक– ये भी विकास के उतने ही महत्वपूर्ण मानक हैं। कुदरत चेतावनी देती है तो उसे सुनना होगा। हर आपदा के बाद केवल मुआवजे की घोषणा करके जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। हमें यह देखना होगा कि अगली आपदा में नुकसान कम कैसे हो। राहत तत्काल आवश्यकता है, लेकिन स्थायी समाधान उससे कहीं अधिक जरूरी है। अंततः प्रश्न यह नहीं कि प्रकृति हमसे नाराज क्यों है, बल्कि यह है कि हमने प्रकृति के साथ कितना न्याय किया है? यदि हमने प्रकृति को बचाया तो प्रकृति भी हमारी जिंदगी को बचाने में सहायक बनेगी। यदि हमने उसके संतुलन को लगातार बिगाड़ा, तो आने वाली पीढ़ियों को कुदरत के और कठोर प्रहार झेलने पड़ सकते हैं। इसलिए समय की पुकार स्पष्ट है– प्रकृति से खिलवाड़ बंद हो, विकास में विवेक हो, पर्यावरण की रक्षा हो और मानव जीवन सर्वोच्च प्राथमिकता बने। क्योंकि कुदरती प्रहार के सामने जिंदगी भले ही लाचार हो जाए, लेकिन समझदारी, संवेदना और सामूहिक तैयारी से उस लाचारी को बहुत हद तक कम किया जा सकता है।

पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के दौरान पत्नी पर केरोसिन डालकर जलती हुई माचिस फेंककर हत्या करने के मामले में आरोपी सुभाष निवृत्ति वाघमारे को ठाणे जिला एवं सत्र न्यायालय ने दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 1,000 का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर 15 दिन के साधारण कारावास का आदेश दिया गया है। एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत काशीमीरा पुलिस स्टेशन में इस मामले में अपराध क्रमांक 237/2015 दर्ज किया गया था। मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 323 के तहत दर्ज कर सत्र प्रकरण क्रमांक 471/2015 के रूप में न्यायालय में चला। इलाज के दौरान हुई थी पत्नी की मौत मामले के अनुसार, पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद आरोपी ने अपनी पत्नी पर कथित तौर पर केरोसिन डालकर जलती हुई माचिस फेंक दी। आग से गंभीर रूप से झुलसी महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद काशीमीरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में जुटाए महत्वपूर्ण सबूत इस मामले की जांच अधिकारी सुश्री अर्चना दुसाने ने गहन जांच करते हुए आरोपी के खिलाफ महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। जांच पूरी होने के बाद आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र माननीय न्यायालय में दाखिल किया गया। प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों की सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी सुभाष निवृत्ति वाघमारे को हत्या के अपराध में दोषी पाया। 17 अगस्त 2026 को ठाणे के माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास एवं 1,000 जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना अदा नहीं करने पर 15 दिन का साधारण कारावास भुगतना होगा। यह फैसला काशीमीरा पुलिस की प्रभावी जांच और न्यायालय में साक्ष्यों की मजबूत प्रस्तुति का परिणाम माना जा रहा है।

कणेरी में जुआ-मटका और अवैध धंधे बंद कराने की मांग

भिवंडी। कणेरी परिसर में कथित रूप से चल रहे जुआ-मटका और अन्य अवैध धंधों को बंद कराने की मांग कांग्रेस कार्यकर्ता एवं महाराष्ट्र प्रदेश मीडिया सेल के महासचिव सचिन सुदाम पाटिल ने की है। इस संबंध में उन्होंने कुंभारवाड़ा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पाटिल का आरोप है कि टोरेंट पावर सर्कल कार्यालय और तिरुपति अस्पताल के पास चल रहे इन कथित अड्डों के कारण मेहनतकश परिवारों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। साथ ही वहां आने वाले जुआरियों और नशे के आदी युवकों के कारण महिलाओं एवं युवतियों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। उन्होंने पुलिस से जुआ प्रतिबंधक कानून के तहत संबंधित अड्डों पर छापेमारी कर संचालकों और मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा अवैध गतिविधियों को पूरी तरह बंद कराने की मांग की है।

जलसंधारण दिन पर राज्यभर में महा वॉकॅथॉन 2026 का होगा आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय सुधाकरराव नाईक की जयंती के अवसर पर 21 अगस्त को महाराष्ट्र में जलसंधारण दिन के रूप में मनाया जायेगा। इस अवसर पर मृद एवं जलसंधारण विभाग की ओर से राज्यभर में विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार 21 अगस्त को सुबह 7 बजे राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर महा वॉकॅथॉन 2026 – Walk for Water का आयोजन किया जायेगा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य के नागरिकों, युवाओं और किसानों से इस अभियान में बड़ी संख्या में सहभागी होने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि मिट्टी बचेगी तो खेती बचेगी और पानी बचाया गया तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य समृद्ध होगा। पानी केवल आज की जरूरत नहीं, बल्कि अगली पीढ़ियों के भविष्य का सवाल है। इसलिए जलसंधारण की मुहिम केवल सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जनचलवल बननी चाहिए। महा वॉकॅथॉन 2026 का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में जल एवं मृदा संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना है। राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर आयोजित होने वाले इस वॉकॅथॉन के माध्यम से पानी बचाएं, भविष्य बचाएं का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। मृद एवं जलसंधारण विभाग की ओर से 15 से 19 अगस्त के बीच मृद व जलसंधारण रील चैलेंज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। मिट्टी एवं जल संरक्षण विषय पर आधारित इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में नागरिकों को सहभागी होने का अवसर दिया गया है। प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए शासन की ओर से आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं। इच्छुक नागरिक विज्ञापन में दिए गए दफकोड को स्कैन कर पंजीकरण कर सकते हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नागरिकों से जलसंधारण को जनआंदोलन बनाने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पानी के संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने संदेश दिया ₹ आइए आज संकल्प लें– पानी रोकें, पानी जमीन में उतारें और जलसमृद्ध, हरित एवं संपन्न महाराष्ट्र का निर्माण करें। ₹ जलसंधारण दिन के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य में जल संरक्षण, मृदा संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है।

फिरौती के लिए गोली चलाने की कोशिश: अख्तर कासम अली मर्चेंट दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा पुलिस स्टेशन में वर्ष 2023 में दर्ज गंभीर अपराध के मामले में वांछित आरोपी अख्तर कासम अली मर्चेंट को काशीमीरा क्राइम ब्रांच ने 17 अगस्त 2026 को दिल्ली एयरपोर्ट क्षेत्र से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ काशीमीरा पुलिस स्टेशन अपराध रजिस्टर क्रमांक 700/2023 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 307, 384, 386, 120(बी), 34, शस्त्र अधिनियम की धारा 3, 25 तथा महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम की धारा 23(1) के तहत मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता चंद्रकांत कोंडगुले मीरा रोड पूर्व स्थित इंटरनेशनल बेकरी कंपनी में कार्यरत है। कंपनी के मालिक इब्राहिम पटेल हैं। आरोप है कि शिकायतकर्ता जब दुकान में काम कर रहे थे, तभी आरोपी अकबर अली शेख पिस्तौल लेकर दुकान में पहुंचा और जान से मारने के इरादे से उन पर दो-तीन बार गोली चलाने का प्रयास किया। हालांकि पिस्तौल से गोली नहीं चली। इसके बाद अकबर अली शेख अपने साथी इमरान शेख के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर फरार हो गया। जांच में सामने आया कि इस वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपी मुन्ना पठान, अकबर अली शेख और इमरान शेख ने कई दिनों तक इलाके की रेकी की थी। पुलिस के मुताबिक, मुन्ना पठान मुख्य आरोपी निसार शेख उर्फ पप्पू पेजर का ड्राइवर था। पुलिस जांच के अनुसार, मुख्य आरोपी निसार शेख के निर्देश पर अख्तर मर्चेंट, मुन्ना पठान, अकबर अली शेख और इमरान शेख ने इब्राहिम पटेल से कथित तौर पर फिरौती वसूलने के उद्देश्य से अपराध की साजिश रची।

35 साल का संघर्ष खत्म, कल्याण-शिळफाटा सड़क चौड़ीकरण का रास्ता साफ; भूमिपुत्रों को 138.45 करोड़ रुपये का मुआवजा मंजूर

कल्याण (उत्तरशक्ति)। ठाणे, नवी मुंबई, कल्याण-डोंबिवली और मुंबई महानगर क्षेत्र को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण कल्याण-शिळफाटा मार्ग के चौड़ीकरण में सबसे बड़ी बाधा आखिरकार दूर हो गई है। करीब 35 वर्षों से लंबित भूमि अधिग्रहण मुआवजे के मुद्दे को निर्णायक रूप से आगे बढ़ाते हुए महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (MSRDC) ने सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित स्थानीय भूमिपुत्रों को 138.45 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का निर्णय लिया है।

इस निर्णय को कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे के लगातार प्रयासों और प्रशासनिक स्तर पर किए गए पाठपुरावे की बड़ी सफलता माना जा रहा है। लंबे समय से अपने हक के मुआवजे का इंतजार कर रहे जमीन मालिकों के लिए अब न्याय का रास्ता साफ हो गया है। साथ ही कल्याण-शिळफाटा मार्ग के रुके हुए छह लेन चौड़ीकरण और कंक्रीटीकरण के काम को भी गति मिलने की उम्मीद है।

मंगलवार को मुंबई में सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की प्रमुख उपस्थिति में MSRDC के प्रबंध निदेशक अनिलकुमार गायकवाड़ के हाथों भूमिपुत्रों को मुआवजा संबंधी पत्र सौंपे गए। इस अवसर पर MMRDA आयुक्त संजय मुखर्जी,

जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल, गोपाल लांडगे, विधायक राजेश गोवर्धन मोरे, पूर्व विधायक राजू पाटील, महापौर हर्षाली चौधरी, नगरसेवक रमाकांत मढवी, बाबाजी पाटील, गजानन पाटिल सहित जमीन मालिक उपस्थित रहे।

मुआवजा नहीं मिलने से रुका था काम: कल्याण-शिळफाटा मार्ग का छह लेन चौड़ीकरण और कंक्रीटीकरण का काम MSRDC के माध्यम से चल रहा है। सड़क के लिए अधिग्रहित जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिलने के कारण कई स्थानीय किसानों और जमीन मालिकों ने काम का विरोध किया था। भूमिपुत्रों की स्पष्ट मांग थी कि जब तक उन्हें उनके हक का मुआवजा नहीं मिलता, तब तक सड़क का काम आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। इसके चलते कई स्थानों पर सड़क चौड़ीकरण का काम अधूरा रह गया था। काटई नाका, पलावा चौक और शिळफाटा क्षेत्र में अधूरे सड़क कार्य के कारण रोजाना भारी ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा होती थी। इसका सीधा असर कल्याण-डोंबिवली, अंबरनाथ, बदलापुर और ग्रामीण क्षेत्रों से ठाणे, नवी मुंबई और मुंबई की ओर जाने वाले लाखों यात्रियों एवं वाहन चालकों पर पड़ रहा था।

जीवनलाल यादव बने समाजवादी पार्टी के मुलुंड तालुका अध्यक्ष

मुंबई (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी मुंबई एवं महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने जीवनलाल यादव को मुलुंड तालुका अध्यक्ष नियुक्त करते हुए उन्हें एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति पत्र मिलने पर जीवनलाल यादव ने आजमी के साथ ईशान मुंबई जिला अध्यक्ष शशिकांत यादव एवं पार्टी के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।बतादें कि जीवनलाल यादव इससे पहले वर्ष 2017-18 में मुलुंड विधानसभा कोषाध्यक्ष, वर्ष 2021 तक मुलुंड विधानसभा महासचिव तथा वर्ष 2022 से मुलुंड विधानसभा अध्यक्ष के रूप में संगठन की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वर्ष 2026 में उन्हें दोबारा मुलुंड विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। पार्टी नेतृत्व ने उनके संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए उन्हें मुलुंड तालुका अध्यक्ष दूसरी बार नई जिम्मेदारी सौंपी है। यादव ने कहा कि वे पार्टी संगठन को मजबूत करने और कार्यकताओं को साथ लेकर जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का प्रयास करेंगे।

शहीदों की स्मृति में बोईसर-तारापुर में निकली शांतता रैली

नई पीढ़ी तक पहुंचाया शहीदों के त्याग व देशभक्ति का संदेश

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा उनके त्याग और शौर्य की जानकारी नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से हुतात्मा स्मारक क्रांतिज्योति समिति, बोईसर-तारापुर की ओर से शांतता रैली का आयोजन किया गया। पिछले पांच वर्षों से आयोजित की जा रही इस रैली का आयोजन इस वर्ष तारापुर के ऐतिहासिक किले से नांदगांव स्थित हुतात्मा स्मारक तक किया गया।

रैली में क्षेत्र के सरपंच, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य, ग्रामीण, विद्यार्थी, शिक्षक प्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक, नागरिक सुरक्षा दल, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। रैली के माध्यम से अमर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए देशभक्ति, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। ज्ञात हो कि भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 14 अगस्त 1942 को पालघर में अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ बड़ा आंदोलन हुआ था। पालघर तहसील के विभिन्न गांवों से नागरिक, राष्ट्रसेवक एवं देशभक्त इस आंदोलन में शामिल हुए थे। आंदोलन को दबाने के लिए ब्रिटिश पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी में पांच स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। इन अमर हुतात्माओं में गोविंद गणेश ठाकुर (नांदगांव), सुकुरू गोविंद मोरे (सालवड), रामचंद्र माधव चुरी (मुरबे), रामप्रसाद भीमाशंकर तिवारी (पालघर) और काशीनाथ हरी पागधरे (सातपाटी) का समावेश है। पालघर स्थित हुतात्मा चौक और हुतात्मा स्तंभ इन पांचों हुतात्माओं के बलिदान की स्मृति का प्रतीक हैं। पांच शहीदों की स्मृति के कारण यह परिसर पाचबत्ती के नाम से भी जाना जाता है। शांतता रैली को सफल बनाने में हुतात्मा स्मारक क्रांतिज्योति समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने अमर हुतात्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

टार्गेट लर्निंग वेंचर्स ने लॉन्च की नई 'एमएचटी-सीईटी' ट्राइंफ सीरीज'

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी और शिक्षकों, छात्रों व अभिभावकों के बीच एक भरोसेमंद प्रकाशन संस्था, टार्गेट लर्निंग वेंचर्स ने अपनी लोकप्रिय 'एमएचटी-सीईटी' ट्राइंफ सीरीज' ' का नवीनतम संस्करण बाजार में उतारा है। इस बार इसमें एक बेहद खास और रचनात्मक 'चैप्टर लेंस' फीचर जोड़ा गया है, जो इस सीरीज को अब तक का सबसे बेहतरीन और व्यापक अपग्रेड बनाता है। यह नई सीरीज विशेष रूप से उन छात्रों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जो 2027 की 'एमएचटी-सीईटी' परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। इस किताब का उद्देश्य छात्रों को किसी भी अध्याय को पढ़ना शुरू करने से पहले ही परीक्षा के ट्रेंड्स को समझाना है, ताकि उनकी तैयारी अधिक स्मार्ट और परिणामदायक हो सके। इस सीरीज का

सबसे प्रमुख आकर्षण 'चैप्टर लेंस' है। यह छात्रों को डेटा पर आधारित एक विस्तृत रूपरेखा प्रदान करता है। इसमें पिछले छह वर्षों (2021-2026) के प्रश्नों का सब-टॉपिक के अनुसार ट्रेंड, मैच रेट, परीक्षा में टॉपिक का वेटेज, क्लासिफिकेशन मिक्स, स्कोर बूस्टर आँकड़े और ₹क्या आप जानते हैं?₹ जैसी रोचक व व्यावहारिक जानकारियाँ शामिल हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि छात्र यह जान पाते हैं कि पिछले वर्षों की 'एमएचटी-सीईटी' परीक्षाओं में किस विशेष सब-टॉपिक से कितनी बार प्रश्न पूछे गए हैं। इस सटीक विश्लेषण के जरिए छात्र उन महत्त्वपूर्ण टॉपिक्स पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, जिनसे परीक्षा में प्रश्न आने की संभावना सबसे अधिक होती है। इस लॉन्च के अवसर पर टार्गेट लर्निंग वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक, निदेशक और सीईओ, दिलीप गंगारामानी ने कहा, आज के छात्रों को सिर्फ प्रैक्टिस प्रश्नों से कहीं ज्यादा, एक सही दिशा की जरूरत है। नया 'चैप्टर लेंस' फीचर छात्रों को पढ़ाई शुरू करने से पहले ही यह बता देता है कि परीक्षा के लिहाज से क्या सबसे ज्यादा मायने रखता है। इससे वे स्पष्टता और एक उद्देश्य के साथ पढ़ाई कर सकेंगे।

मुंबई–अहमदाबाद राष्ट्रीय महामार्ग से 15 दिन में हटाये जायेंगे अनधिकृत अतिक्रमण

- जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड ने NHAI को दिए सख्त निर्देश
- कार्रवाई में देरी पर जताई नाराजगी

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय महामार्ग (NH-48) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमणों को चिन्हित कर उन्हें 15 दिनों के भीतर हटाने की कार्रवाई पूरी करें, ऐसे सख्त निर्देश पालघर की जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को दिए हैं।

NH-48 के किनारे अतिक्रमणों के संबंध में जिलाधिकारी डॉ. जाखड की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में NHAI द्वारा की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। कार्रवाई में हो रही देरी को लेकर अधिकारियों द्वारा दिए गये स्पष्टीकरण पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि एक बार राजमार्ग की सीमा निर्धारित होने के बाद उस क्षेत्र में मौजूद अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी NHAI की है। कार्यक्षेत्र का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। उन्होंने अब तक की गई कार्रवाई की स्पष्ट ActionTaken Report (ATR) प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में राजमार्ग से सटे सभी संबंधित क्षेत्रों का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर अतिक्रमणों की RoW (Right of Way) और Control Line के आधार पर स्पष्ट रूप से नोंद करने के निर्देश दिए गये। अतिक्रमणों का निर्धारण NHAI, वन विभाग, वसई-विरार शहर महानगरपालिका (VVMC) तथा संबंधित तहसीलदारों के कार्यक्षेत्र के अनुसार किया जायेगा।

महामार्ग से लगे अतिक्रमित क्षेत्रों के संबंध में वन विभाग से रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए गये हैं। RoW और Control Line के भीतर तथा तुंगारेश्वर क्षेत्र की ओर मौजूद अतिक्रमणों को स्पष्ट रूप से चिन्हित कर तत्काल हटाने के आदेश जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को दिए। जिन अनधिकृत अतिक्रमणों की पहचान हो चुकी है, उन्हें 15 दिनों के भीतर हटाने की कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए गये हैं। अतिक्रमण हटाने की मुहिम के दौरान आवश्यक पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश पुलिस प्रशासन को भी दिए गये हैं। साथ ही सक्षम प्राधिकरण के साथ समन्वय कर आवश्यक कानूनी नोटिस जारी करने तथा अन्य कानूनी प्रक्रिया तत्काल पूरी करने को कहा गया है। जिलाधिकारी डॉ. जाखड ने कहा कि कार्यक्षेत्र को लेकर किसी भी प्रकार की उलझन के कारण कार्रवाई में देरी नहीं होनी चाहिए। सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करनी होगी। अतिक्रमण हटाओ अभियान की पूरी प्रक्रिया पर जिला प्रशासन द्वारा एक्शन टेकन रिपोर्ट और समयबद्ध अनुपालन के माध्यम से नियमित निगरानी रखी जायेगी। निर्देशों के क्रियान्वयन में आगे भी देरी या लापरवाही पाये जाने पर इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में मामला लाया जायेगा।

रैपिडो महाराष्ट्र में अपने कैप्टन के लिए खास मराठी सीखने वाले चैनल शुरू करने वाला पहला मोबिलिटी प्लेटफॉर्म बना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के सबसे बड़े और सबसे सस्ते वन-स्टॉप मोबिलिटी प्लेटफॉर्म, रैपिडो ने महाराष्ट्र में अपने बाइक, ऑटो और कैब कैप्टन के लिए खास तौर पर मराठी भाषा सीखने के रिसोर्स शुरू किए हैं। ऐसा करने वाला यह पहला मोबिलिटी प्लेटफॉर्म है। यह पहल ड्राइवरों के लिए महाराष्ट्र की जरूरी मराठी भाषा की शर्त को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है। रैपिडो ने उन्हें भाषा सीखने और इस शर्त के अनुसार ढलने के लिए आसान टूल और रिसोर्स उपलब्ध कराने के लिए कदम बढ़ाया है। इस पहल के तहत रैपिडो ने तीन खास यू ट्यूब चैनल बनाए हैं, जिनमें बाइक, ऑटो और कैब कैप्टन के लिए अलग-अलग सीखने का कंटेंट है। यह कंटेंट कैप्टन को तेजी से मराठी सीखने और पूरे राज्य में मोबिलिटी सेवाएं देते समय बेहतर ढंग से बातचीत करने में मदद करने के लिए बनाया गया है। मुख्य बातें: इंडस्ट्री में पहली बार: रैपिडो पहला मोबिलिटी प्लेटफॉर्म है जिसने महाराष्ट्र में अपने कैप्टन्स के लिए खास तौर पर मराठी सीखने के चैनल बनाए हैं। तीन खास चैनल: बाइक, ऑटो और कैब कैप्टन्स के लिए अलग-अलग लर्निंग कंटेंट बनाया गया है, जो अलग-अलग मोबिलिटी कैटेगरी में उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। सपोर्ट: राज्य की भाषा संबंधी जरूरतों के बारे में बताने से कहीं आगे बढ़कर रैपिडो अपने कैप्टन्स को मराठी सीखने में मदद करने के लिए आसानी से उपलब्ध रिसोर्स भी दे रहा है।

इस पहल के बारे में बात करते हुए रैपिडो के ऑपरेशन्स वाइस प्रेसिडेंट रोहित राठौड़ ने कहा, जैसे-जैसे महाराष्ट्र ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा की जानकारी पर जोर दे रहा है, हम चाहते थे कि हमारे कैप्टन इस जरूरत के हिसाब से ढलने में मदद पाएं। रैपिडो पहला मोबिलिटी प्लेटफॉर्म है जिसने अपने बाइक, ऑटो और कैब कैप्टन के लिए खास मराठी सीखने वाले चैनल बनाए हैं। हमारा मानना है कि अपने कैप्टन की मदद करने का मतलब सिर्फ किसी जरूरत के बारे में बताना नहीं है, इसका मतलब है उन्हें ऐसे आसान और प्रैक्टिकल रिसोर्स देना जो उन्हें ढलने में मदद कर सकें।

प्रबोधनकार ठाकरे विद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। प्रबोधनकार ठाकरे विद्यालय, अवधनगर, बोईसर में देशभक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सदस्या उषा चंद्रकांत जाधव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी विवेकानंद एज्युकेशन सोसायटी की उपाध्यक्ष दर्शना प्रभाकर राऊल के हाथों ध्वजपूजन से हुई। संस्था के सदस्य जनार्दन चांदणे एवं संस्था अध्यक्ष प्रभाकर राऊल के हाथों श्रीफल पूजन किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि उषा जाधव के हाथों ध्वजारोहण किया गया।स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत समूहगीत एवं देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। विद्यार्थियों ने अपने भाषणों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक महत्व, देशभक्ति तथा राष्ट्र के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों पर अपने विचार व्यक्त किए।

विद्यार्थियों की शानदार तैयारी, अनुशासन एवं उत्साह ने उपस्थित अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया।मुख्य अतिथि उषा जाधव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के अनुशासन और कार्यक्रम की सुंदर तैयारी की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने के लिए विद्यालय के शिक्षकों के प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से जिम्मेदार नागरिक बनकर देश की प्रगति में योगदान देने का आवाहन किया। संस्था अध्यक्ष प्रभाकर राऊल ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए विद्यार्थियों का स्वयं को निरंतर अपडेट रखना आवश्यक है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मरीजों को हो रही भारी असुविधा को देखते हुए राकेश शेट्टी ने दिया बीएमसी को 15 दिनों का अल्टीमेटम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता तथा महासचिव राकेश शंकर शेट्टी ने आज एमटी अग्रवाल अस्पताल, मुलुंड का दौरा किया तथा अस्पताल के डीन डॉ राजेश सिंह राठौड़ से मुलाकात की। उन्होंने डीन को ज्ञापन और प्रतीकात्मक ताला और जंजीर सौंपते हुए महानगरपालिका को चेतावनी दी की यदि 15 दिनों के भीतर आईसीयू और सात ऑपरेशन थिएटर शुरू नहीं किए गए तो अस्पताल को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 470 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद बीएमसी ने आईसीयू और सात ऑपरेशन थिएटर शुरू नहीं किया है जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भीषण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा उद्घाटन किए जाने

के बावजूद अस्पताल में डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने मनपा प्रशासन और राज्य सरकार से सवाल करते हुए कहा कि मुलुंड, भांडुप, कांजुरमार्ग और विक्रोली के मरीजों को अभी भी सायन अस्पताल क्यों जाना पड़ रहा है? उन्होंने बताया कि 17 अगस्त को मुलुंड पूर्व के एक इमारत में आग लगी। घटना में घायल महिला को पहले वीर संभाजी अस्पताल, मुलुंड पूर्व ले जाया गया परंतु सुविधाओं के अभाव के कारण उसे सायन अस्पताल रेफर कर दिया गया। राज्य सरकार पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि यह भाजपा सरकार की अक्षमता और संवेदनहीनता है। मुलुंड में 6 नगरसेवक, एक विधायक और बीएमसी स्टैंडिंग कमेटी का अध्यक्ष होने के बावजूद 7 से 10 डॉक्टरों की नियुक्ति नहीं कर पाए।महानगरपालिका को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि 15 दिनों के भीतर अस्पताल में वेतन भोगी डॉक्टरों की नियुक्ति नहीं की गई तो केवल शानदार क्लिनिक मात्र इस अस्पताल को बंद कर दिया जाएगा।

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बारिश के दौरान जर्जर मकान भरभराकर गिरा, गृहस्थी का सामान मलबे में दबकर नष्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र के मोहल्ला चाचकपुर में तेज बारिश के दौरान महादेव मौर्य का मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मकान गिरने की घटना करीब रात 10:30 बजे हुई। गनीमत रही कि हादसे के समय मकान के आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि मकान के मलबे में गृहस्थी का सामान दब जाने से परिवार को काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

बताया जाता है कि लगातार हो रही तेज बारिश के बीच मकान की स्थिति अचानक कमजोर हो गई और देखते ही देखते उसका एक हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा।

मकान गिरने की तेज आवाज से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मकान गिरने से उसमें रखा गृहस्थी का आवश्यक सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे पीड़ित परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। परिवार का कहना है कि बारिश के कारण मकान पहले से ही कमजोर हो गया था, लेकिन अचानक हुए हादसे से उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा।

पीड़ित महादेव मौर्य ने प्रशासन से मांग की है कि मौके का स्थलीय निरीक्षण कराकर हुए नुकसान का आकलन कराया जाए तथा आपदा राहत मद के तहत नियमानुसार आर्थिक सहायता एवं आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि परिवार को इस प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान से उबरने में मदद मिल सके। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मांग की है कि बारिश के कारण कमजोर हुए मकानों का निरीक्षण कराया जाए, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

राष्ट्रभक्ति और युवा संकल्प के साथ हर घर तिरंगा अभियान का समापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में चलाए गए हर घर तिरंगा अभियान-2026 का समापन वीर बहादुर सिंह

पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक जिम्मेदारी की प्रेरक झलकियाँ देखने को मिलीं।

कार्यक्रम में सामूहिक वन्दे मातरम गीत, लोकनृत्य और कजरी गायन ने वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। विश्वविद्यालय की छात्राओं ने 'मेरा स्वस्थ, समृद्ध एवं विकसित भारत' विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसने युवाओं को राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि कर्नल आलोक सिंह धर्मराज ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत एवं नशा मुक्त युवा' पर विशेष संदेश दिया। कर्नल धर्मराज ने युवाओं को यह स्पष्ट किया कि 'नशा मुक्त युवा ही श्रेष्ठ भारत की नींव हैं।' यदि युवा वर्ग अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाए, तो भारत न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि विश्व पटल पर एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि अभियान की सफलता युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना का सशक्त उदाहरण है। समन्वयक डॉ.मनोज कुमार पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया तथा इस अभियान के निमित्त आयोजित कार्यक्रमों की विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पाँच सुरक्षा प्रहरियों एवं 98 यूपी बटालियन के छः प्रशिक्षकों को अंगवस्त्रम एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में इस अभियान के निमित्त आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय विजेताओं को प्रमाणपत्र, मेडल एवं चॉकलेट प्रदान किए गए। इस अवसर डॉ. रसिकेश, डॉ.राधिका उर्मालिया ने भी विचार व्यक्त किए। सहायक आचार्य डॉ श्वेता पाण्डेय ने धन्यवाद प्रस्तुत किया।

सड़क हादसे में उपनिरीक्षक आकाश यादव की मौत, कांस्टेबल गंभीर

अयोध्या (उत्तरशक्ति)। पूराकलंदर थाना क्षेत्र में रायबरेली मार्ग पर नऊवा कुआं के पास देर रात गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों की कार गिट्टी लदे ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में उपनिरीक्षक आकाश यादव और कांस्टेबल प्रदीप कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। साथी पुलिसकर्मियों ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने 28 वर्षीय उपनिरीक्षक आकाश यादव को मृत घोषित कर दिया।

बताया गया कि उपनिरीक्षक आकाश यादव मूल रूप से जौनपुर जनपद के रहने वाले थे। वहीं, 27 वर्षीय कांस्टेबल प्रदीप कुमार की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। टक्कर इतनी

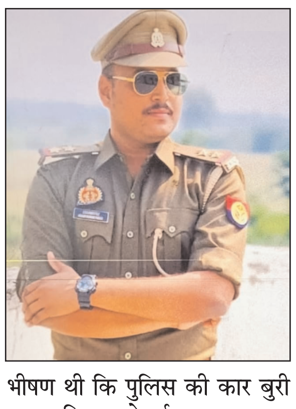

भीषण थी कि पुलिस की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना के बाद पुलिस ने गिट्टी लदे ट्रेलर को कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। उपनिरीक्षक की मौत की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई।

आजाद समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं मिल्कीपुर के पूर्व विधायक प्रत्याशी सूरज चौधरी ने उपनिरीक्षक आकाश यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आकाश यादव उनके प्रिय मित्र होने के साथ ही तेजतर्रार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी थे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को इस कठिन घड़ी में शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में युवक की मौत, दो गंभीर

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मेहनाजपुर थाना क्षेत्र में मेहनाजपुर-देवगांव मार्ग पर मंगलवार देर शाम चिल्लूपुर मोड़ के पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक पर सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो घायलों को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार, मेहनाजपुर क्षेत्र के केबरवा चकिया कसरावल गांव निवासी चंदन यादव (26) पुत्र रामाश्रय यादव बाइक से लालगंज से दवा लेकर अपने घर लौट रहे थे। चिल्लूपुर मोड़ के पास सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई। दूसरी बाइक पर हैबतपुर दंडवल गांव निवासी विशाल प्रजापति (18) पुत्र

ओमप्रकाश प्रजापति और सुदामा (22) पुत्र दीपचंद सवार थे।

टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों की सूचना पर घायलों को मेहनाजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सभी की गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन चंदन यादव को उपचार के लिए पीजीआई चक्रपानपुर ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चंदन चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर थे। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

घटना की सूचना पर थाना प्रभारी अखिलेश सिंह, उपनिरीक्षक विक्रांत मिश्रा, उपनिरीक्षक दीपक राय और उपनिरीक्षक प्रशांत पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दीवार गिरने से मलबे में दबकर मां-बेटी की मौत, दूसरी बेटी ने भागकर बचाई जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के राजापुर सहावें गांव में बुधवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। रिहायशी छप्पर की मिट्टी की दीवार अचानक भरभराकर गिरने से मलबे में दबकर मां-बेटी की मौत हो गई। हादसे के दौरान पास मौजूद दूसरी बेटी ने भागकर अपनी जान बचा ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी बिंदु राजभर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बुधवार दोपहर वह घर के बाहर बैठे थे। इसी दौरान रिहायशी छप्पर की मिट्टी की दीवार अचानक ढह गई। दीवार की चपेट में आने से उनकी पत्नी ज्ञानती देवी (46) और 12 वर्षीय पुत्री अंबिका मलबे में दब गईं। अंबिका गांव के विद्यालय में कक्षा छह की छात्रा थी।

हादसे के समय अंबिका की बहन कोमल भी पास में मौजूद थी। दीवार गिरते ही उसने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में मलबा हटाकर मां-बेटी को बाहर निकाला।

दोनों को तत्काल राजकीय पुरुष चिकित्सालय शाहगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मां-बेटी की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। बताया गया कि मृतका अपने पीछे तीन बेटियां और दो बेटे छोड़ गई हैं। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

खुले मैनहोल के कारण टोटो पलटा, दो घायल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र में चांदपुर

चौराहा से मंडुवाडीह की ओर जाने वाले मार्ग पर क्षीरसागर गोदाम के पास मंगलवार को शाम एक टोटो खुले मैनहोल के कारण पलट गया। हादसे में टोटो सवार दो लोग घायल हो गए।स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क पर मैनहोल खुला हुआ है। बरसात के दौरान आसपास पानी भर जाने के कारण मैनहोल दिखाई नहीं देता, जिससे वाहन चालकों को इसकी जानकारी नहीं हो पाती। इसी वजह से आए दिन दोपहिया और अन्य वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई लोग इस स्थान पर गिरकर घायल हो चुके हैं।क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग से खुले मैनहोल को तत्काल ढकवाने तथा जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है, ताकि आगे किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

भाजयुमो ने सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ निकाला विशाल मशाल व कैंडल जुलूस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम' के कथित अपमान और अनादर के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर प्रचंड विरोध प्रदर्शन किया। भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष अभिनव सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस विशाल मशाल जुलूस और कैंडल मार्च में सैकड़ों युवाओं तथा पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

यह विरोध जुलूस टीडी कॉलेज (तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय) से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जेसीज चौराहे तक पहुंचा। जुलूस के दौरान कार्यकर्ता हाथों में जलती हुई मशालें और मोमबत्तियां लेकर चल रहे थे। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष

कांग्रेस का असली चाल चरित्र व चेहरा उजागर हुआः अभिनव सिंह

मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपना विरोध प्रकट किया।

रैली को संबोधित करते हुए

'वन्दे मातरम' के अपमान पर जताया भारी विरोध

जिला उपाध्यक्ष अभिनव सिंह ने कहा कि वन्दे मातरम केवल एक गीत नहीं बल्कि भारत माता की अराधना और देश के स्वतंत्रता सेनानियों का मूल मंत्र है। कांग्रेस नेतृत्व द्वारा लगातार राष्ट्रीय प्रतीकों और देशभक्ति का अनादर किया जा रहा है, जिसे देश का युवा किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगा। सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को देश की जनता से माफी मांगनी

चाहिए। जेसीज चौराहे पर पहुंचकर जुलूस एक सभा में परिवर्तित हुआ, जहाँ कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि राष्ट्रीय स्वाभिमान और देश के प्रतीकों की रक्षा के लिए युवा मोर्चा का यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

सभा को संबोधित करते हुए विकास ओझा ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा बार-बार राष्ट्रीय प्रतीकों का अनादर करना उनकी सोच को दशार्ता है। सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को इस कृत्य के लिए देश की जनता से तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

सभा में मौजूद सचिन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्वाभिमान की रक्षा के लिए भाजयुमो का यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक ऐसे कृत्यों पर पूर्ण विराम नहीं लग जाता।

सशांक सिंह, सिद्धार्थ सिंह, आयुश अस्थाना, अंकित, ओम, अभिषेक(गोलू), विनीत, अनुराग, रोहित आयुष, मनीष, ज्ञान, शिवा, ललित, शर्दुल ,रविश, पिंकू, नीरज, एस पी.सिंह, शिवम आदि लोग जुलुस में उपस्थित रहे।

अनियंत्रित कंटेनर पेड़ से टकराया, चालक की मौत

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर-प्रयागराज हाईवे पर सिकरारा थाने के समीप मंगलवार देर रात अनियंत्रित कंटेनर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। हादसे में कंटेनर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार कंटेनर जौनपुर से मछलीशहर की ओर जा रहा था। सिकरारा थाने के समीप पहुंचते ही वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक उसमें गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से घायल चालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कंटेनर का नंबर एचआर 55 ए 7173 बताया गया है। पुलिस ने वाहन मालिक को हादसे की सूचना दे दी है। समाचार लिखे जाने तक मृतक चालक की पहचान नहीं हो सकी थी।

जमीन विवाद को लेकर डीएम कार्यालय के बाहर आत्मदाह का प्रयास, मचा हड़कंप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब जमीन विवाद से परेशान एक परिवार ने कथित तौर पर आत्मदाह का प्रयास किया। परिवार के सदस्यों द्वारा अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालने की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी तत्काल सक्रिय हो गए। बताया जा रहा है कि परिवार काफी समय से जमीन

संबंधी विवाद को लेकर परेशान था और अपनी शिकायत लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा था। इसी दौरान परिवार ने कथित तौर पर आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए परिवार के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद सभी को एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने मामले की जानकारी ली।

फिलहाल जमीन विवाद से जुड़े आरोपों और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। घटना के बाद जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के ब्यूरो चीफ रियाजुल हक बने मरकजी सीरत कमेटी के मीडिया प्रभारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले की मुस्लिम समाज की प्रमुख संस्था मरकजी सीरत कमेटी का मीडिया प्रभारी उत्तर शक्ति हिंदी दैनिक के जौनपुर ब्यूरो चीफ रियाजुल हक को बनाए जाने पर उनके शुभचिंतकों एवं समर्थकों में हर्ष की लहर दौड़ गई। बताते चलें कि वर्ष 1925 से मरकजी सीरत कमेटी शहर में मुस्लिम समाज के विभिन्न धार्मिक जलसों एवं जुलूसों के आयोजन और व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आ रही है। इस वर्ष पहली बार चुनावी प्रक्रिया के

माध्यम से ओबैदा शिराजी को कमेटी का अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष ओबैदा शिराजी द्वारा गठित नई कार्यकारिणी में पत्रकार रियाजुल हक को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति की खबर मिलते ही पत्रकार साथियों, सामाजिक कार्यकताओं, शुभचिंतकों एवं समर्थकों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। लोगों ने उम्मीद जताई कि रियाजुल हक अपनी पत्रकारिता के अनुभव का उपयोग करते हुए कमेटी की गतिविधियों एवं सामाजिक-धार्मिक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जौनपुर में यातायात नियमों के उल्लंघन पर 778 वाहनों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में यातायात नियमों के अनुपालन और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए मंगलवार को जिलेभर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस और विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस ने प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील मार्गों पर सघन जांच की। चेकिंग के दौरान पुलिस टीमों ने संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की तलाशी लेने के साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने तथा वैध दस्तावेजों के अभाव में वाहन चलाने वालों पर विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 778 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस ने वाहन चालकों से सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की। जौनपुर पुलिस ने आमजन से अपील की कि सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें, वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करें तथा सभी यातायात नियमों का पालन करें।

प्रो.अनिल राय को बरेली विश्वविद्यालय का कुलपति बनने पर शिक्षकों ने दी बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं वर्तमान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावटी विश्वविद्यालय सीकर राजस्थान के कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय को महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली का कुलपति नियुक्त किए जाने पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं सहकर्मियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में आयोजित बैठक में शिक्षकों ने कहा कि प्रो. अनिल कुमार राय ने जौनपुर में लंबे समय तक शैक्षणिक एवं प्रशासनिक सेवाएं देते हुए विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके कुलपति पद पर नियुक्त होने को विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का विषय बताया गया। इस अवसर पर प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अविनाश पाथीर्डीकर, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. राजेश शर्मा, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. चंदन सिंह, आनंद सिंह, पंकज सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने प्रो. राय को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

चकपटैला गांव में कब्रिस्तान की भूमि का राजस्व विभाग ने किया सीमांकन

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के चकपटैला गांव में बुधवार को राजस्व विभाग की टीम ने कब्रिस्तान की भूमि का सीमांकन कर उसे चिन्हित किया। गांव निवासी मोहम्मद शाहिद अली ने जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी सदर के समक्ष ऑफलाइन और ऑनलाइन आवेदन पत्र देकर कब्रिस्तान की भूमि गाटा संख्या 353 का सीमांकन कराने की मांग की थी।

आवेदन के क्रम में हल्का लेखपाल अजय पांडेय राजस्व विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कब्रिस्तान की गाटा संख्या 353 की भूमि का स्थलीय सीमांकन कर चिन्हांकन कराया। सीमांकन के बाद निर्धारित स्थान पर भूमि की सीमा स्पष्ट की गई।

इस दौरान मोहम्मद शाहिद अली, प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र मौर्य, मुस्तफा, मकबूल अली, मंजूर अली, रिजवान अहमद सहित गांव के अन्य लोग मौजूद रहे। राजस्व विभाग की ओर से की गई सीमांकन की कार्रवाई सभी की सहमति एवं सहयोग से शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

मंदिर में महिलाओं के गले से मंगलसूत्र और चेन झपटने वाली दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नेवढ़िया थाना पुलिस ने मंदिर में दर्शन के दौरान महिलाओं के गले से मंगलसूत्र और सोने की चेन झपटने के मामले में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक आरोपी के कब्जे से झपटमारी का मंगलसूत्र भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 19 अगस्त को हथेरा डीह बाबा मंदिर में दर्शन के दौरान दो महिलाओं ने शीला देवी के गले से मंगलसूत्र और ग्राम पसियाही कला निवासी मनोरमा के गले से सोने की चेन काटकर फरार हो गई थीं। घटना की सूचना मिलने पर नेवढ़िया पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सोनी पत्नी राहुल गौतम, निवासी परसही सकरही, थाना कोतवाली गाजीपुर, हाल पता हीरावनपुर, थाना सिंधौरा, वाराणसी और गुड़िया पत्नी रोहित गौतम, निवासी हीरावनपुर, थाना सिंधौरा, वाराणसी को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने सोनी के कब्जे से पीली धातु के लॉकेट और काले मोतियों वाली माला से बना एक मंगलसूत्र बरामद किया। मामले में थाना नेवढ़िया में मुकदमा अपराध संख्या 211/26 के तहत धारा 304(2), 317(2) और 3(5) बीएनएस में कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक बब्बन यादव, रिजर्व कांस्टेबल श्याम सुंदर मौर्य, महिला कांस्टेबल हर्षिता मिश्रा और महिला कांस्टेबल नेहा यादव शामिल रहीं।

तिलकधारी महाविद्यालय में पूर्व प्राध्यापक डॉ. लालता प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तिलकधारी महाविद्यालय में सोमवार को कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग के पूर्व प्राध्यापक स्वर्गीय डॉ. लालता प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में उनके पुत्र एवं पूर्व पुलिस अधीक्षक राममोहन सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी और परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान बीएससी कृषि की मेधावी छात्राओं सिमरन रानी और मृगांका गुप्ता तथा कृषि रसायन विभाग के अवनीश शुक्ला, निशांत सिंह, सेजल यादव और अभय यादव को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर ह्यखाद्यान्न उत्पादन की चुनौतियां एवं समाधानह्न विषय पर डॉ. रवि गोपाल सिंह, पूर्व वैज्ञानिक सीमिट, मेक्सिको ने व्याख्यान दिया। उन्होंने मृदा की भौतिक संरचना एवं गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए न्यूनतम जुताई (मिनिमम टिलेज) अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से इसके लाभों को भी समझाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर श्री प्रकाश सिंह ने की। उन्होंने स्वर्गीय डॉ. लालता प्रसाद सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए उनके संस्मरण साझा किए और विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का मार्गदर्शन किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम आसरे सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया तथा स्वर्गीय डॉ. सिंह के शैक्षणिक योगदान और कृतित्व पर प्रकाश डाला। वहीं उनके सहयोगी रहे डॉ. टी.एन. सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान विभाग तथा डॉ. धनंजय सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान विभाग ने डॉ. लालता प्रसाद सिंह से जुड़े संस्मरण साझा किए।

कार्यक्रम में कृषि संकाय के प्रोफेसर श्री सिंह, प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह, प्रोफेसर रमेश सिंह, डॉ. संतोष कुमार सिंह चंदेल, प्रोफेसर आर.के. पाल, मनोज कुमार सिंह, प्रोफेसर नलिन मिश्रा, डॉ. विजयलक्ष्मी, डॉ. अमोद कुमार सिंह, उमापति मौर्य, गणेश गुप्ता, लालचंद यादव सहित विभाग के कर्मचारी, स्वर्गीय डॉ. सिंह के परिवार के सदस्य एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत के मेहुल शाह 'वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डायमंड बोर्सेस' के प्रेसिडेंट चुने गए

मुंबई। भारत डायमंड बोर्स के वाइस प्रेसिडेंट मेहुल शाह को 'वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डायमंड बोर्सेस' (WFDB) का प्रेसिडेंट चुना गया है। WFDB दुनिया के प्रमुख डायमंड बोर्स का एक संगठन है और इंटरनेशनल डायमंड ट्रेडिंग सेक्टर की आधिकारिक संस्था है। WFDB इंडस्ट्री के सभी सदस्यों के बीच भरोसा, पारदर्शिता और ईमानदारी के सिद्धांतों को बढ़ावा देता है। यह चुनाव सोमवार, 12 जुलाई को सिंगापुर में 'वर्ल्ड डायमंड कांग्रेस' के दौरान हुआ। कांग्रेस में शामिल 20 ग्लोबल डायमंड बोर्स के नेताओं ने नए पदाधिकारियों को चुनने के लिए वोट किया। मिस्टर शाह का चुना जाना भारतीय डायमंड इंडस्ट्री के लिए एक अहम पड़ाव है और यह देश के लिए ग्लोबल डायमंड इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने का एक नया अध्याय खोलता है। 'जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल' ने मिस्टर मेहुल शाह को डायमंड, जेम और ज्वेलरी सेक्टर में उनकी बेहतरीन लीडरशिप और योगदान के लिए इंडस्ट्री के अन्य ग्लोबल दिग्गजों के साथ लीजेंड ऑफ द इंडस्ट्री अवॉर्ड से सम्मानित किया। मेहुल शाह ने यह अवॉर्ड भारत के उन कारीगरों को समर्पित किया जो परफेक्शन के लिए लगातार काम करते हैं और कहा, मैं यह अवॉर्ड भारत के डायमंड कारीगरों को समर्पित करता हूं, जिनकी असाधारण कारीगरी ने हमारे देश को डायमंड के क्षेत्र में निर्विवाद रूप से दुनिया का लीडर बनने का गौरव दिलाया है। कुछ सौ डॉलर प्रति कैरेट कीमत वाले बहुत छोटे से कच्चे डायमंड को लाखों की कीमत वाले मास्टरपीस में बदलने की उनकी काबिलियत किसी चमत्कार से कम नहीं है। उनकी कलाकारी पिकासो, एम.एफ. हुसैन और राजा रवि वर्मा के मास्टरपीस के साथ सराहे जाने के काबिल है। हर बेहतरीन तरीके से तराशा गया डायमंड कला का एक नमूना है, जो बरसों की कुशलता, धैर्य, सटीकता और जुनून को दर्शाता है। मैं इन शानदार कारीगरों को सलाम करता हूं और उनके असाधारण हुनर के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करता हूं। यह सम्मान असल में उतना ही उनका है जितना मेरा है।

मैं भारतीय और ग्लोबल डायमंड कम्युनिटी के हर सदस्य का भी दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिनके अटूट समर्थन, हौसला-अफजाई और शुभकामनाओं ने मुझे सबसे बड़ी ताकत दी है। मुझे पता है कि इस सम्मान का जश्न हमारा पूरा डायमंड परिवार मना रहा है, और मैं आप सभी के प्यार और मुझ पर भरोसे के लिए बहुत आभारी महसूस कर रहा हूं। मुझे यह प्रतिष्ठित सम्मान देने के लिए मैं GJEPC और पूरी डायमंड कम्युनिटी का एक बार फिर से दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। मैं इसे बहुत आभार और विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूँ, और पूरी लगन और ईमानदारी के साथ अपनी इंडस्ट्री की सेवा करने के नए संकल्प के साथ इसे अपनाता हूँ।

इंदौर भाजपा पार्षद जीतू यादव का डेढ़ वर्ष बाद 'वनवास' समाप्त

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

पार्षद जीतू यादव

इंदौर (उत्तरशक्ति)। भाजपा से निष्कासित एमआईसी सदस्य और पार्षद जीतू यादव की पार्टी में वापसी का रास्ता साफ हो गया है। प्रदेश भाजपा ने उनका छह साल का निष्कासन तय अवधि पूरी होने से पहले ही समाप्त कर दिया। खास बात यह रही कि 18 अगस्त को जिस दिन प्रदेश संगठन ने निष्कासन खत्म करने का पत्र जारी किया, उसी दिन मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने करीब डेढ़ साल से खाली पड़े एमआईसी के विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग का प्रभार एमआईसी सदस्य निरंजनसिंह 'गुड्डू' ।को सौंप दिया। गुड्डू के पास पहले से राजस्व विभाग का प्रभार है। अब वे एमआईसी के दो बड़े विभाग संभालेंगे। दोनों फैसले एक ही दिन सामने आने के बाद इंदौर की राजनीति में इसके अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जीतू यादव की एमआईसी में भी वापसी होगी या वे फिलहाल पार्षद के रूप में ही सक्रिय रहेंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन ने मंगलवार को इंदौर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा को पत्र भेजकर जीतू यादव का प्राथमिक सदस्यता से किया गया निष्कासन समाप्त करने की जानकारी दी। पत्र के अनुसार नगर अध्यक्ष की अनुशंसा और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर जीतू यादव का निष्कासन 18 अगस्त 2026 को समाप्त कर दिया गया। जीतू यादव को कमलेश कालरा से विवाद के बाद छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया था। 3 जनवरी 2025 को हुए इस विवाद के बाद कालरा के घर में तोड़फोड़ और उनके परिवार से जुड़े गंभीर आरोप सामने आए थे। मामला प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक चर्चा में रहा था। निष्कासन खत्म होने के बाद अब जीतू यादव के भाजपा संगठन में फिर सक्रिय होने का रास्ता खुल गया है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी है कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो चुका है, हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जीतू यादव को भाजपा के वरिष्ठ नेता और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तथा विधायक रमेश मेंदोला के करीबी नेताओं में माना जाता है। वहीं, विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग का प्रभार पाने वाले निरंजनसिंह 'गुड्डू' को भी इसी राजनीतिक खेमे से जोड़ा जाता है।

हालांकि पार्टी से निष्कासन खत्म करना और नगर निगम में विभाग का प्रभार देना अलग-अलग संगठनात्मक व प्रशासनिक निर्णय हैं। दोनों के बीच किसी सीधे संबंध को लेकर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। भाजपा से बाहर रहने के दौरान भी जीतू यादव स्थानीय राजनीति में सक्रिय रहे। वे कई मौकों पर भाजपा नेताओं के साथ नजर आए और नगर निगम परिषद की बैठकों में निर्दलीय पार्षद के रूप में शामिल होते रहे। इस दौरान वे कांग्रेस पार्षदों के खिलाफ भी मुखर नजर आए। निष्कासन खत्म होने के बाद जीतू यादव की पार्टी में औपचारिक वापसी हो गई है। दूसरी ओर, उसी दिन उनके पुराने एमआईसी विभाग की जिम्मेदारी गुड्डू को दे दी गई। ऐसे में इंदौर भाजपा में चर्चा का सबसे बड़ा विषय यही है कि जीतू यादव की राजनीतिक भूमिका आगे क्या होगी। क्या वे सिर्फ भाजपा पार्षद के रूप में सक्रिय रहेंगे, संगठन में नई जिम्मेदारी संभालेंगे या फिर नगर सरकार के मंत्री यानी एमआईसी सदस्य के रूप में वापसी करेंगे? फिलहाल इसका फैसला होना बाकी है, लेकिन मंगलवार के दोनों घटनाक्रमों ने इस सवाल को जरूर हवा दे दी है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में रोपे औषधीय पौधे,हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

उदयपुरवाटी। कस्बे के चुंगी नंबर-3 स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत औषधीय पौधों का पौधारोपण किया गया। पर्यावरण संरक्षण, औषधीय वनस्पतियों के संवर्धन तथा आरोग्य मंदिर परिसर को हरित एवं स्वास्थ्यवर्धक बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमावत के नेतृत्व में विभिन्न औषधीय पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर डॉ. कुमावत ने कहा कि औषधीय पौधों का सीधा संबंध मानव स्वास्थ्य से है। आयुर्वेद में इन वनस्पतियों की उपयोगिता का विस्तृत वर्णन मिलता है। औषधीय पौधे स्वास्थ्य संरक्षण के साथ-साथ आयुर्वेद की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनका संरक्षण एवं संवर्धन आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल पौधा लगाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि लगाए गए पौधे की बच्चे की तरह निरंतर देखभाल और संरक्षण किया जाना चाहिए, ताकि वह एक दिन वृक्ष का रूप ले सके। अधिकाधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने से वातावरण स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त होने के साथ जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलता है।डॉ. कुमावत ने बताया कि उन्होंने आरोग्य मंदिर परिसर में औषधीय पौधे तथा अपने घर की बगिया में फलदार एवं छायादार पौधे लगाए हैं। उनका उद्देश्य है कि आरोग्य मंदिर में आने वाले लोगों को उपचार के साथ-साथ औषधीय वनस्पतियों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया जा सके।

पौधारोपण कार्यक्रम में ब्लॉक आयुष चिकित्सालय के डॉ. वीरेंद्र कुमार सैनी, श्री श्याम मेडिसिन सेंटर के डॉ. महेंद्र माली, परिचारिका सुनीता कुमारी एवं रहीम मंसूरी सहित अन्य लोगों ने उपस्थित रहकर पौधारोपण में सहयोग किया।

750 ऑटो-रिक्शा चालकों को दिया गया मराठी भाषा एवं संवाद कौशल का प्रशिक्षण

मुंबई। घाटकोपर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) शाखा क्रमांक 126 की ओर से स्थानीय ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए विशेष मराठी भाषा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में करीब 750 ऑटो-रिक्शा चालकों को मराठी भाषा एवं प्रभावी संवाद कौशल का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम में ईशान्य मुंबई विभागप्रमुख सुरेश पाटील, महिला विभागप्रमुख प्रज्ञा सकपाल, पूर्व उपविभाग प्रमुख गजानन भोसले, पूर्व नगरसेविका सरस्वती गजानन भोसले, शाखा प्रमुख अजय गजानन भोसले तथा विधानसभा सह-समन्वयक सीमा जगताप प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए इस पहल की सराहना की।

शिविर का आयोजन शाखाप्रमुख अजय गजानन भोसले एवं शिल्पा अजय भोसले के मार्गदर्शन तथा ऑटो-रिक्शा यूनियन अध्यक्ष रिजवान खान की विशेष सिफारिश पर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपशाखाप्रमुख कुंजना ठाकुर ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने चालकों को सरल तरीके से मराठी भाषा के साथ यात्रियों से बेहतर संवाद करने के आवश्यक तौर-तरीके समझाए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में उपशाखासंघटिका लक्ष्मी चव्हाण जांभले, दानिश खान और अमीन शेख का भी विशेष सहयोग रहा। शिविर के समापन पर ऑटो-रिक्शा चालकों ने कहा कि मराठी भाषा का यह प्रशिक्षण यात्रियों से बेहतर संवाद स्थापित करने और दैनिक व्यवहार में उनके लिए काफी उपयोगी साबित होगा।

सभी ऑटो-रिक्शा चालकों की ओर से शाखाप्रमुख अजय भोसले एवं शिल्पा भोसले को शिविर के सफल आयोजन एवं बेहतर नियोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

स्व. उमाशंकर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे जुल्फिकार अहमद गामा

पैतृक आवास पर तेरहवीं संस्कार में शामिल होकर चित्र पर पुष्प अर्पित किए, परिजनों से मिलकर व्यक्त की गहरी संवेदना

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के दिवंगत रसडा के विधायक स्व. उमाशंकर जी की तेरहवीं के अवसर पर 365 विधानसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी जुल्फिकार अहमद गामा उनके पैतृक आवास पहुंचे। उन्होंने स्व. उमाशंकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान जुल्फिकार अहमद गामा ने कहा कि स्व. उमाशंकर जी का निधन समाज और राजनीतिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि स्व. उमाशंकर जी ने सदैव जनहित और समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य किया। उनके योगदान और सरल व्यक्तित्व को लंबे समय तक याद किया जाएगा। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और कहा कि दुख की इस घड़ी में वह परिवार के साथ खड़े हैं। उक्त मौके पर शाहगंज विधानसभा 365 के बसपा प्रत्याशी जुल्फिकार अहमद गामा ने कहा की स्व. उमाशंकर जी का निधन हम सभी के लिए बेहद दुखद और अपूरणीय क्षति है। उन्होंने हमेशा समाज और जनता के हितों के लिए संघर्ष किया। उनका व्यक्तित्व और जनसेवा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति दें। इस दुख की घड़ी में हमारी पूरी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं।

वसई-विरार में भारी बारिश से बिगड़े हालात पर विशेष महासभा बुलाने की मांग

विपक्ष के नेता मनोज पाटिल ने मेयर अजीव पाटिल को पत्र लिखकर की तत्काल बैठक की मांग

विरार। वसई-विरार शहर में 4 से 8 जुलाई के बीच हुई भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ की गंभीर स्थिति को लेकर महानगरपालिका प्रशासन पर सवाल उठने लगे हैं। शहर के कई इलाकों में जलभराव से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने तथा स्थायी समाधान पर चर्चा के लिए वसई-विरार महानगरपालिका के विपक्ष के नेता मनोज पाटिल ने महापौर अजीव पाटिल को पत्र लिखकर तत्काल विशेष महासभा बुलाने की मांग की है।

मनोज पाटिल ने अपने पत्र में महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम, 1949 के प्रावधानों का हवाला देते हुए विशेष महासभा बुलाने की मांग की है। उनका कहना है कि बैठक में हालिया बाढ़ की स्थिति, महानगरपालिका प्रशासन की तैयारियों, किए गए कार्यों तथा उन पर हुए खर्च की विस्तृत समीक्षा होनी चाहिए।

उन्होंने विशेष महासभा में शहर के लिए स्थायी बाढ़ नियंत्रण एवं जलनिकासी कार्ययोजना तैयार करने पर विस्तृत चर्चा की मांग की है। साथ ही वर्ष 2018 से शहर की भौगोलिक परिस्थितियों का अध्ययन कर ठएएफ्क्र और IIT द्वारा तैयार तकनीकी रिपोर्टों के आधार पर महानगरपालिका द्वारा अब तक किए गए उपायों और खर्च का पूरा ब्यौरा सदन के समक्ष रखने की मांग की है।

पत्र में यह भी मांग की गई है कि वर्ष 2018 से अब तक नालों की सफाई, जलनिकासी व्यवस्था, आपदा प्रबंधन और बाढ़ से निपटने की तैयारियों पर हर वर्ष कितना खर्च किया गया, किस प्रकार के कार्य किए गए और उनका वास्तविक परिणाम क्या रहा—इसकी विस्तृत जानकारी सदन के पटल पर रखी जाए।

मनोज पाटिल ने कहा कि वसई-विरार के नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसलिए यह स्पष्ट होना आवश्यक है कि भविष्य में भारी बारिश के दौरान बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए महानगरपालिका कौन-सी समयबद्ध और प्रभावी योजना लागू करने जा रही है।उन्होंने महापौर से नागरिकों की गंभीर समस्याओं और जनभावनाओं को देखते हुए इस मुद्दे पर तत्काल संज्ञान लेने तथा विशेष महासभा बुलाकर बाढ़ नियंत्रण के स्थायी उपायों पर ठोस निर्णय लेने की पुरजोर मांग की है।

नई विजुअल और सोनिक आइडेंटिटी के साथ क्रॉम्पटन ने पेश किया क्रॉम्पटन रायन

पटना (उत्तरशक्ति)। भारत की अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल कंपनियों में शामिल क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपनी नई मास्टर ब्रांड आइडेंटिटी का अनावरण किया। यह क्रॉम्पटन 2.0 के तहत कंपनी के अगले चरण की शुरूआत को दशार्ता है, जिसमें कंपनी खुद को एक इनोवेशन-लेड और कंज्यूमर-सेंट्रिक बिजनेस के रूप में आगे बढ़ा रही है। पिछले एक दशक में क्रॉम्पटन ने टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट इनोवेशन में लगातार निवेश करते हुए अपनी पारंपरिक प्रमुख श्रेणियों से आगे विस्तार किया है। इस अवसर पर क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, प्रोमीत घोष ने कहा कि क्रॉम्पटन रायन का लॉन्च हमारी प्रीमियमाइजेशन जर्नी में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और सुपर-प्रीमियम सेगमेंट में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की हमारी महत्वाकांक्षा को दशार्ता है। हमारे डेडिकेटेड सुपर-प्रीमियम ब्रांड के रूप में क्रॉम्पटन रायन सोच-समझकर किए गए डिजाइन, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और उपभोक्ताओं की बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप सॉल्यूशंस के जरिए बेहतर अनुभव प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, तन्मय प्रस्ती ने कहा कि क्रॉम्पटन पिछले कुछ वर्षों में काफी विकसित हुआ है और हमारी नई ब्रांड आइडेंटिटी इसी बदलाव को दशार्ती है। यह एक यूनिफाइड ब्रांड सिस्टम है, जिसमें हमारी विजुअल और सोनिक आइडेंटिटी शामिल है और जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं के लिए एक अधिक विशिष्ट ब्रांड एक्सपीरियंस तैयार करना है। इसके साथ ही, हम अलग-अलग सेगमेंट में बदलती उपभोक्ता जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने ब्रांड प्लेटफॉर्म को भी और मजबूत कर रहे हैं।

रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल ने जनता दर्शन में सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के कनेरी मोहन सराय स्थित जनता दर्शन कार्यालय पर बुधवार को रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल ने क्षेत्र से आए लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने एक-एक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद संबंधित विभागों के अधिकारियों से फोन पर बात कर तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में बिजली, पानी, सड़क, राशन कार्ड, पेंशन और स्वास्थ्य से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। विधायक ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार और संगठन की प्राथमिकता है। किसी भी फरियादी को भटकना न पड़े, इसके लिए सभी विभागों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को समय-सीमा में समस्याओं का निपटारा कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इस दौरान विधायक ने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जनता दर्शन के माध्यम से हर माह क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान कराया जाएगा। कार्यक्रम में कार्यालय प्रभारी राजकुमार वर्मा, विनोद पटेल, गोविंद पटेल, अखिलेश पटेल, प्रवीण पटेल, प्रिंस पटेल, बबलू पटेल सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

ग्राफ्टेड बैंगन से किसानों को मिलेगी उन्नत एवं लाभकारी खेती की नई दिशा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)' जनपद के राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के शाहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान द्वारा निक्रा परियोजना एवं एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत वाराणसी जनपद के किसानों को ग्राफ्टेड बैंगन के पौधों का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक सब्जी उत्पादन तकनीकों से जोड़कर फसल की उत्पादकता, गुणवत्ता बढ़ाना और आय में वृद्धि के अवसर देना है।संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश कुमार के मार्गदर्शन में चल रही इस परियोजना के तहत किसानों को ग्राफ्टेड बैंगन के पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्राफ्टेड पौधों में मृदा जनित रोगों और प्रतिकूल मौसम के प्रति अधिक सहनशीलता होती है, जिससे उत्पादन लागत घटती है और गुणवत्तापूर्ण उपज मिलती है।कार्यक्रम में संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. अनंत बहादुर ने कहा कि ग्राफ्टिंग तकनीक से सब्जी उत्पादन के साथ कृषि में उद्यमिता और स्वरोजगार की नई संभावनाएं भी खुल रही हैं। उन्होंने पौधों के उचित प्रबंधन और देखभाल के बारे में किसानों को जानकारी दी। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जागेश तिवारी ने किसानों से इस तकनीक को बड़े स्तर पर अपनाने और अन्य किसानों तक इसके लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। शोधकर्ता अनीष कुमार सिंह ने ग्राफ्टिंग की विधि, रोपण, पोषण और सिंचाई प्रबंधन की तकनीकी जानकारी दी। यह पहल पारंपरिक खेती को तकनीक आधारित उत्पादन की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण कदम है।

महावितरण की बिजली समस्याओं को लेकर भाजपा सड़कों पर उतरेगी: मनोज बारोट

वसई-विरार। वसई-विरार में बार-बार और घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित होने, स्मार्ट मीटर को लेकर नागरिकों की शिकायतों तथा बढ़े हुए बिजली बिलों के मुद्दे पर भाजपा ने महावितरण के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। भाजपा वसई-विरार जिला महासचिव मनोज बारोट ने कहा कि यदि नागरिकों की समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया गया, तो अब महावितरण कार्यालय पर मार्च निकालने का समय आ गया है।

बारोट ने कहा कि बिना पूर्व सूचना के बिजली कटौती से नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महावितरण को नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ स्मार्ट मीटर, बिजली बिल और उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्रभावी ढंग से निवारण करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि वसई-विरार में विभागवार शिकायत निवारण शिविर आयोजित कर नागरिकों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए।

उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में होने के बावजूद जनता के मुद्दों पर चुप रहने वाली पार्टी नहीं है। प्रशासन की कमियों को सामने लाना और नागरिकों को न्याय दिलाना भाजपा की जिम्मेदारी है। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों की शंकाओं पर स्पष्टीकरण दिया है तथा बारिश के दौरान बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं।

महावितरण के साथ नगर निगम की प्लानिंग पर भी सवाल

मनोज बारोट ने कहा कि वसई-विरार की बिजली समस्या को केवल महावितरण की समस्या मानना उचित नहीं होगा। शहर में तेजी से हो रहा निर्माण, अनियोजित विकास, बुनियादी ढांचे पर बढ़ता दबाव और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर पर्याप्त योजना नहीं बनाना भी बिजली वितरण व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध निर्माण की समस्या पर पर्याप्त कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने सवाल किया कि नए निर्माण को अनुमति देते समय शहर की मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमता और भविष्य में बढ़ने वाले भार का उचित आकलन किया जाता है या नहीं। उन्होंने कथित वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर सक्षम जांच एजेंसियों से भी जांच कराई जानी चाहिए।

बारोट ने वसंत नगरी में 41 इमारतों जैसी परिस्थितियों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए अवैध निर्माण को शुरूआत में ही रोकने और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की।

ह्यसरकार आपकी है तो मोर्चा क्यों? सवाल पर बारोट का जवाब

16 अगस्त को भाजपा के जन आक्रोश मोर्चे के बाद उठे सवालों का जवाब देते हुए बारोट ने कहा कि भाजपा सत्ता में है, इसका मतलब यह नहीं कि वह जनता की समस्याओं पर चुप रहेगी। उन्होंने कहा कि सत्ता जनता की सेवा के लिए होती है, उनकी समस्याओं को नजरअंदाज करने के लिए नहीं।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वसई-विरार के विकास के लिए निधि उपलब्ध कराई जा रही है। यदि स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक कमियों या कथित भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ नागरिकों तक अपेक्षा के अनुरूप नहीं पहुंच रहा है, तो प्रशासन को जवाबदेह बनाना भी भाजपा की जिम्मेदारी है।

बिजली समस्या पर आंदोलन की चेतावनी

मनोज बारोट ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि महावितरण ने बिजली आपूर्ति, स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया, तो भाजपा नागरिकों को साथ लेकर लोकतांत्रिक तरीके से महावितरण के खिलाफ मजबूत आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा, हमारा संघर्ष किसी सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं और उन समस्याओं के समाधान में हो रही लापरवाही के खिलाफ है।

बारोट ने कहा कि सत्ता में हो या विपक्ष में, भाजपा का कार्यकर्ता जनता के सुख-दुख में खड़ा रहेगा। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से केवल आश्वासन देने के बजाय बिजली आपूर्ति, स्मार्ट मीटर, बिजली बिल, अवैध निर्माण और बुनियादी नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर तत्काल ठोस कार्रवाई करने की मांग की। अन्यथा भाजपा जनता को साथ लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगी।

बोल बम के नारों से गूंजा मुंबई, सायन कोलीवाड़ा से निकली भव्य कांवड़ यात्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्रावण मास के पावन अवसर पर भगवान शिव के प्रति आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा मुंबई में देखने को मिला। सायन कोलीवाड़ा न्यू म्हाडा कॉलोनी स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर में स्थापित विंध्येश्वर महादेव के लिए आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला, पुरुष और बच्चों सहित बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने कांवड़ यात्रा पूरी कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और अपने जीवन को धन्य बनाया।

17 अगस्त 2026, सोमवार को समाजसेवी भरत भाई शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित इस कांवड़ यात्रा की शुरूआत सुबह करीब 10 बजे वालकेश्वर स्थित बाणगंगा से हुई। श्रद्धालुओं ने बाणगंगा से पवित्र जल भरकर कांवड़ अपने कंधों पर उठाई और पैदल यात्रा करते हुए वालकेश्वर, वर्ली नाका, महालक्ष्मी, परेल, दादर होते हुए माटुंगा की ओर प्रस्थान किया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं के जयघोष से वातावरण शिवमय बना रहा।

यात्रा के दौरान दादर शास्त्री ब्रिज के समीप समाजसेवी एवं हिंदूवादी नेता बाबूभाई भवानजी से जुड़ी संस्थाओं की ओर से कांवड़ यात्रियों का जोरदार स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के लिए सेवा-सत्कार की व्यवस्था की गई और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इसके बाद माटुंगा सेंटर रेलवे स्टेशन के समीप फूल गली पोस्ट ऑफिस के सामने समाजसेवी एवं पत्रकार संजय मिश्रा ह्यबब्लूह्ल की ओर से विशेष स्वागत पंडाल लगाया गया। यहां कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुंबई भाजपा प्रवक्ता एवं सरस्वती क्लासेज के संचालक प्रोफेसर डॉ. दयानंद तिवारी, दैनिक उत्तरशक्ति के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति तथा भाजपा मुंबई प्रवक्ता एवं समाजसेवी उदयप्रताप सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने कांवड़ यात्रियों पर फूल बरसाकर उनका अभिनंदन किया और भगवान महादेव के जयकारों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। समाजसेवी संजय मिश्रा बब्लू ने श्रद्धालुओं की सेवा-सत्कार के बाद कांवड़ियों को आगे की यात्रा के लिए विदा किया। आयोजन को सफल बनाने में संदीप चिवटे, पूर्व शाखा प्रमुख, आशीष भाई, महेंद्र तिवारी, पिंटू, अनिल पटेल, संजय, सांई और प्रेम त्रिपाठी सहित अनेक कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। बारिश में भीगते हुए कांवड़ यात्री ह्लहर-हर महादेवह्ल, ह्लबम-बम भोलेह्ल और भगवान शिव के जयघोष करते हुए आगे बढ़ते रहे। जयघोषों से माटुंगा सहित यात्रा मार्ग का पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं की आस्था, अनुशासन और उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता डॉ. दयानंद तिवारी ने कहा कि भगवान शिव के प्रति लोगों की आस्था सदियों से चली आ रही है। श्रावण मास में शिवलिंग पर जलाभिषेक करना और कांवड़ यात्रा निकालना शिवभक्तों के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि ह्लएक लोटा जल, सभी समस्याओं का हलह्ल की भावना के साथ श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। डॉ. तिवारी ने कांवड़ यात्रा की सफलता के लिए सहयोग करने वाले स्थानीय नागरिकों, मंदिर से जुड़े पदाधिकारियों, शिवभक्तों, समाजसेवियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग और सेवा भावना के कारण इतनी बड़ी कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सकी।

माटुंगा से कांवड़ यात्री आगे बढ़ते हुए सायन कोलीवाड़ा न्यू म्हाडा कॉलोनी स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर पहुंचे, जहां स्थापित विंध्येश्वर महादेव का विधिवत जलाभिषेक किया गया। पवित्र जल से भगवान शिव का अभिषेक कर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और समाज के कल्याण की कामना की।

पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं और बच्चों की भागीदारी ने आयोजन को और भव्य बना दिया। कांवड़ यात्रा ने धार्मिक आस्था के साथ-साथ सेवा, सामाजिक एकता और भाईचारे का भी संदेश दिया।

आयोजकों ने कहा कि भगवान महादेव की कृपा और सभी शिवभक्तों के सहयोग से यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उन्होंने यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं, सेवा में जुटे कार्यकताओं तथा रास्ते में स्वागत करने वाले समाजसेवियों और नागरिकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

चेंबूर में चर्मकार विकास संघ की तरफ से एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया

मुंबई। चेंबूर एम पश्चिम विभाग के सहायक मनपा आयुक्त के हिटलर शाही रवैए के खिलाफ चर्मकार विकास संघ की ओर से एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया।चेम्बूर के जाने माने समाज सेवी और चर्मकार विकास संघ के मुंबई अध्यक्ष सुभाष मराठे नीमगावकर ने चेम्बूर एम वार्ड पश्चिम के सहाय्यक आयुक्त शंकर भोसले को निलंबित करने की मांग को लेकर वार्ड ऑफिस पर एक दिवसीय आंदोलन और धरना का आयोजन किया। गौरतलब हो कि कहकरी महिला गटई कामगार आशा अक्से को चेम्बूर एन जी आचार्या मार्ग मुरुगन स्टील के सामने पुलिस ने मारपीट कर घायल कर दिया।शंकर भोसले के खिलाफ कठोर कार्रवाई को लेकर वार्ड ऑफिस के सामने आंदोलन और धरना प्रदर्शन किया गया। धरने के समापन पर विधायक तुकाराम काते, नगर सेविका व प्रभाग समिति अध्यक्ष आशा सुभाष मराठे ,संजय खामकर, सुभाष मराठे, जय हिन्दुस्तान हाकर्स युनियन के अध्यक्ष मंजूर मकबूल खान सहित एक प्रतिनिधि मंडल ने मनपा उपायुक्त संध्या नांदेड़कर से मिलकर अपनी मांगो का एक पत्र दिया इसके पश्चात सुभाष मराठे के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने चेम्बूर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश केवले को लिखित पत्र देकर शंकर भोसले पर एफ आई आर दर्ज करने की मांग की। पूर्व विधायक प्रकाश फातरपेकर ने भी धरना स्थल पर आकर अपना पूर्ण समर्थन दिया। इस मौके पर सतीश वैद्य, उमाकांत डोईफोड़े, राजेश सिंह, युवराज चौहान, राजू थोरात, अनिता पाटोले, सलीम मंजूर खान के अलावा चर्मकार विकास संघ के सैकड़ों पदाधिकारी इस धरने प्रदर्शन में शामिल हुए।

कोलकाता होटल अग्निकांड: हादसे में मरे 9 लोगों में 5 बांग्लादेशी नागरिक, एक ही परिवार के 4 लोगों की गई जान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में कई होटलों वाली पांच मंजिला इमारत में बुधवार को लगी आग में मरने वाले नौ लोगों में पांच बांग्लादेशी नागरिक शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि स्थानीय पुलिस ने मृतकों में से पांच की पहचान बांग्लादेशी नागरिकों के रूप में की है। मंत्रालय ने बताया कि इन पांच बांग्लादेशी मृतकों में से चार एक ही परिवार के थे। 'द डेली स्टार' अखबार ने बताया, मारे गए लोगों में एक पत्रकार और उनके परिवार के तीन सदस्य शामिल थे। बयान के अनुसार, छह अन्य बांग्लादेशी नागरिक आग में घायल हो गए थे और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। कोलकाता स्थित बांग्लादेश उप उच्चायोग ने मृतकों के परिवारों से संपर्क किया है और घटना से प्रभावित बांग्लादेशी नागरिकों को आवश्यक सहायता मुहैया कराने के लिए अस्पतालों और स्थानीय पुलिस के संपर्क में है। मिशन ने पीड़ितों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन भी शुरू की है। बांग्लादेश का विदेश मंत्रालय भारत के संबंधित अधिकारियों के भी संपर्क में है।

दुबई में एक और भारतीय युवक की दर्दनाक मौत, कार शोरूम में ब्लास्ट से गई जान

दुबई। दुबई में एक कार शोरूम में गैस सिलेंडर फटने से केरल के रहने वाले एक प्रवासी भारतीय की मौत हो गई। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 'गल्फ न्यूज' की खबर के अनुसार, केरल के कोल्लम जिले के 27 वर्षीय शिजिन पॉल की सोमवार को शेख जायद रोड स्थित एक कार शोरूम में हुए विस्फोट में मौत हो गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब खाड़ी देशों में भारतीय कामगारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2023 से 2025 के बीच विदेशों में कार्यस्थलों पर होने वाली दुर्घटनाओं में 800 से अधिक भारतीय नागरिकों की मौत हुई, जिनमें लगभग 55 प्रतिशत मौतें खाड़ी देशों में हुईं। दुबई मीडिया कार्यालय के अनुसार, सोमवार को हुए इस विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हुई और पांच अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को शिजिन पॉल की मौत की पुष्टि की और कहा कि वह उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए परिजनों तथा स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पॉल उस कार शोरूम में सोशल मीडिया प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे, जहां यह विस्फोट हुआ। घटना के प्रत्यक्षदर्शी एक सहकर्मी ने अखबार को बताया कि आग लगने का पता चलते ही कर्मचारी शोरूम से बाहर निकल गए। कुछ लोगों ने अग्निशामक यंत्रों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इससे पहले कि आग पर काबू पाया जाता, गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023 से 2025 के बीच विदेशों में कार्यस्थल पर हुई दुर्घटनाओं में सऊदी अरब में सबसे अधिक 182 भारतीयों की मौत हुई, जबकि संयुक्त अरब अमीरात में यह संख्या 128 रही।

टेकऑफ दौरान अचानक विमान के फट गए टायर व टेल स्ट्राइक, सवार 287 लोगों पर मंडराने लगी मौत

जर्मनी। जर्मनी के म्यूनिख एयरपोर्ट पर वियतनाम एयरलाइंस के Boeing 787-9 विमान के साथ ऐसा घटनाक्रम हुआ, जिसने यात्रियों की सांसें रोक दीं। हनोई जा रहे विमान की टेकऑफ के दौरान रफ्तार दो बार अचानक कम हुई। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि विमान के हवा में उठने तक रनवे का सिर्फ करीब 91 मीटर हिस्सा बचा था। विमान में 271 यात्री और 16 क्रू सदस्य, यानी कुल 287 लोग सवार थे। राहत की बात यह रही कि सभी लोग सुरक्षित बच गए। घटना 15 अगस्त को हुई, जब वियतनाम एयरलाइंस की फ्लाइट श्ट34 म्यूनिख से हनोई के लिए रवाना हो रही थी। वियतनाम के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के मुताबिक, टेकऑफ के दौरान विमान की रफ्तार बढ़ना करीब दो सेकंड के लिए रुक गया। इसके बाद विमान ने दोबारा तेजी पकड़ी और जरूरी श1 स्पीड तक पहुंच गया। लेकिन इसके कुछ ही समय बाद विमान की रफ्तार फिर कम हो गई।

दूसरी बार स्पीड गिरने तक विमान काफी दूर रनवे पर पहुंच चुका था। पायलटों ने आकलन किया कि अब टेकऑफ रोकने के लिए पर्याप्त रनवे बाकी नहीं है। ऐसे में विमान को रोकने के बजाय पायलटों ने टेकऑफ जारी रखने का फैसला किया और इंजनों को अधिकतम थ्रस्ट पर ले गए। इसके बाद Boeing787 रनवे के लगभग अंतिम हिस्से से हवा में उठा। रिपोर्ट के मुताबिक, उस समय विमान के पीछे सिर्फ करीब 91 मीटर रनवे बचा था। टेकऑफ के कुछ ही समय बाद चालक दल को विमान के टेल स्ट्राइक और टायरों में असामान्य दबाव से जुड़ी चेतावनियां मिलीं। पायलटों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को स्थिति की जानकारी दी और विमान को दोबारा म्यूनिख लाने का फैसला किया। विमान तुरंत वापस नहीं उतरा। वह करीब दो घंटे तक हवा में रहा और लगभग 9,000 फीट की ऊंचाई पर चक्कर लगाता रहा।

नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों के लिए आनापानसती विपश्यना कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों के मानसिक सशक्तीकरण, एकाग्रता, आत्मसंयम एवं तनावमुक्त जीवन के उद्देश्य से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित चिराग विद्यालय में आनापानसती विपश्यना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पालघर जिले के उपनियंत्रक काशिनाथ आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन में बोईसर विधानसभा क्षेत्र के विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश अनंत म्हस्के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में अनिल जाधव उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयंसेवकों को आनापानसती विपश्यना ध्यान पद्धति का महत्व समझाते हुए ध्यान करने की उचित विधि के बारे में मार्गदर्शन किया। नियमित ध्यान से मन की एकाग्रता एवं स्थिरता बढ़ने के साथ सकारात्मक सोच विकसित होने और तनाव पर नियंत्रण पाने में मदद मिलती है, इसकी जानकारी भी उन्होंने दी। इस अवसर पर धम्म सेवक के रूप में दयानंद गुप्ता, शिवराम लहानगे, एडवोकेट सुरेश जाधव तथा सौ. अंकिता जाधव उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के साथ ही स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवक आपदा प्रबंधन, आपातकालीन परिस्थितियों तथा विभिन्न सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में विपरीत परिस्थितियों में मानसिक संतुलन बनाये रखने, एकाग्रता बढ़ाने और तनाव पर नियंत्रण पाने के लिए ध्यान एवं विपश्यना जैसे कार्यक्रम उनके लिए उपयोगी साबित होते हैं, ऐसा इस अवसर पर बताया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रशिक्षक, धम्म सेवकों, अधिकारियों तथा सभी स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

देश के शहीद जवानों को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

पालघर (उत्तरशक्ति)। देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों के शौर्य, साहस और बलिदान को नमन करते हुए म्हाडा, विरार (पश्चिम) में कारगिल विजय दिवस का भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। पूर्व सैनिक भरत महादेव राऊत, निवासी 7-ख, फ्लैट नं. 1406, म्हाडा, विरार (पश्चिम) के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में नागरिकों ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर वीर जवानों के अदम्य साहस, शौर्य और देशभक्ति को याद करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। पूर्व सैनिक भरत महादेव राऊत द्वारा निरंतर किये जा रहे इस आयोजन से म्हाडा वसाहत में देशभक्ति की भावना को नई ऊर्जा मिल रही है। साथ ही, युवा पीढ़ी को भारतीय सैनिकों के त्याग, समर्पण और बलिदान से परिचित होने तथा राष्ट्रसेवा की प्रेरणा मिल रही है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर जवानों का बलिदान सदैव देशवासियों के हृदय में अमर रहेगा। इस प्रेरणादायी एवं गरिमापूर्ण आयोजन के लिए पूर्व सैनिक भरत महादेव राऊत का नागरिकों की ओर से हार्दिक अभिनंदन एवं शुभकामनाएँ व्यक्त की गईं।

तकनीकी खराबी से ठप हुई इंडिगो की ऑनलाइन बुकिंग, Airline ने यात्रियों को दी बड़ी सलाह

नईदिल्ली। इंडिगो की डिजिटल सेवाओं में आई अचानक गिरावट से ऑनलाइन बुकिंग और उड़ान पूर्व औपचारिकताओं में गंभीर बाधा उत्पन्न हुई जो विमानन क्षेत्र में सुदृढ़ तकनीकी बैकअप की आवश्यकता को रेखांकित करती है। मुख्य सर्वर में आई इस खराबी के कारण यात्रियों को हो रही असुविधा को देखते हुए कंपनी ने त्वरित तकनीकी सुधार और ग्राहक सहायता पर ध्यान केंद्रित किया है। डिजिटल माध्यमों पर बढ़ती निर्भरता के कारण आरक्षण प्रणाली में मामूली त्रुटि भी बड़े पैमाने पर यात्रा चक्र को बाधित करने की क्षमता रखती है।

बुधवार को इंडिगो की वेबसाइट में अचानक आई तकनीकी दिक्कत के कारण कई यात्रियों को टिकट बुक करने और ऑनलाइन उड़ान जांच पूरी करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। एयरलाइन के मुताबिक, उसकी मुख्य आरक्षण व्यवस्था में बीच-बीच में समस्या आ रही थी, जिसका असर ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच पर पड़ा। हालांकि, कंपनी की टीमें समस्या को जल्द दूर करने में जुटी रहीं। इंडिगो ने बताया कि तकनीकी परेशानी के चलते कुछ यात्रियों के लिए वेबसाइट और मोबाइल एप्लीकेशन पर जरूरी सेवाओं का इस्तेमाल करना मुश्किल हो गया था। खास तौर पर टिकट बुक करने और उड़ान से पहले की ऑनलाइन जांच से जुड़ी सेवाओं पर इसका असर देखने को मिला। जिन यात्रियों को तुरंत यात्रा से जुड़ी सहायता की जरूरत थी, उन्हें ग्राहक सहायता केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई। एयरलाइन ने कहा कि जिन यात्रियों की यात्रा बाद में है, वे कुछ समय इंतजार करने के बाद वेबसाइट या मोबाइल एप्लीकेशन को दोबारा खोलकर सेवा का इस्तेमाल करने की कोशिश कर सकते हैं। कंपनी ने यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद जताते हुए उनके धैर्य और सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार, समस्या इंडिगो की मुख्य आरक्षण व्यवस्था से जुड़ी थी। यही व्यवस्था टिकट आरक्षण और यात्रियों से संबंधित कई ऑनलाइन प्रक्रियाओं के लिए अहम भूमिका निभाती है। ऐसी व्यवस्था में तकनीकी रुकावट आने पर एक साथ बड़ी संख्या में यात्रियों को परेशानी हो सकती है, खासकर तब जब वे यात्रा से ठीक पहले अपनी उड़ान से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी कर रहे हों। गौरतलब है कि विमान यात्रा के बढ़ते इस्तेमाल के साथ एयरलाइनों की वेबसाइट और मोबाइल आधारित सेवाएं यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो गई हैं। टिकट खरीदने से लेकर उड़ान में सीट चुनने, सामान से जुड़ी जानकारी हासिल करने और ऑनलाइन जांच पूरी करने तक कई काम अब डिजिटल माध्यम से ही किए जाते हैं। ऐसे में आरक्षण व्यवस्था में थोड़ी देर की तकनीकी समस्या भी यात्रियों की पूरी यात्रा प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। इंडिगो ने कहा कि उसकी टीमें अपने तकनीकी सहयोगी के साथ मिलकर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर ठीक करने में लगी थीं। एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की कि तत्काल सहायता की जरूरत होने पर वे ग्राहक सहायता केंद्र का सहारा लें और जिनकी यात्रा बाद में है, वे कुछ समय बाद वेबसाइट या मोबाइल अनुप्रयोग पर दोबारा प्रयास करें। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि तकनीकी समस्या की शुरूआत किस वजह से हुई और कितने यात्रियों पर इसका असर पड़ा। एयरलाइन की ओर से स्थिति सामान्य होने की विस्तृत जानकारी सामने आने का इंतजार है। बता दें कि इंडिगो देश की प्रमुख विमानन कंपनियों में शामिल है और उसके डिजिटल आरक्षण तंत्र पर बड़ी संख्या में यात्री रोजाना निर्भर रहते हैं।

फार्म टू फॉरेन पहल महाराष्ट्र के कपड़ा उद्योग को वैश्विक पटल पर स्थापित करेगी

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य की फार्म टू फॉरेन पहल का उद्देश्य किसानों, निमार्ताओं, उद्यमियों और वैश्विक फैशन उद्योग को एक साथ जोड़ना है, जिससे महाराष्ट्र को कपड़ा और निर्यात के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। वे मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में 'एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया' द्वारा आयोजित फार्म टू फॉरेन कॉनक्लेव 2026 में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। एसोचैम महाराष्ट्र राज्य परिषद द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का विषय अडवांसिंग इंडियाज 5F विजन फॉर सस्टेनेबल एंड ट्रेसेबल टेक्स्टाइल वैल्यू चेन्स था। इसमें नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत के दिग्गजों, निमार्ताओं, स्थिरता विशेषज्ञों और प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। यह पहल सरकार के 5F विजन–फार्म टू फाइबर टू फैक्टरी टू फैशन टू फॉरेन–के अनुरूप थी, जिसमें भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने, जलवायु-अनुकूल फाइबर उत्पादन को गति देने और पारदर्शी व चक्रीय कपड़ा पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण का संदर्भ देते हुए शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र 5F दृष्टिकोण–फार्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्टरी, फैक्टरी टू फैशन और फैशन टू फॉरेन–पर आगे बढ़ रहा है। इसका उद्देश्य केवल राज्य के भीतर कृषि उपज का प्रसंस्करण करना नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र के कपास, रेशम, जूट और अन्य कृषि उत्पादों से वैश्विक स्तर पर पहचाने जाने वाले ब्रांड बनाना है। महाराष्ट्र की कपड़ा विरासत को समृद्ध बनाना: कपड़ा उद्योग के साथ महाराष्ट्र का एक लंबा और गौरवशाली इतिहास रहा है। मुंबई का देश की वित्तीय राजधानी के रूप में उभरना यहाँ की ऐतिहासिक कपड़ा मिलों से गहराई से जुड़ा था।

ग्रिप इन्वेस्ट ने ग्रेट इंडियन बॉन्ड फेस्टिवल की शुरूआत की

मुंबई। ग्रिप इन्वेस्ट ने आज ग्रेट इंडियन बॉन्ड फेस्टिवल के पहले संस्करण की शुरूआत की। फिक्स्ड-इनकम निवेश को समर्पित इस फेस्टिवल में एनएसई वेन्यू पार्टनर और एनएसडीएल डिपॉजिटरी पार्टनर के रूप में शामिल हैं। यह 18 से 31 अगस्त तक चलने वाले दो सप्ताह के राष्ट्रीय अभियान की शुरूआत का प्रतीक है। यह अभियान बांड्स और अन्य फिक्स्ड-इनकम उत्पादों को एक आकर्षक रिटेल निवेश विकल्प के रूप में बढ़ावा देने और जागरूकता पैदा करने के लिए नियामकों, बॉन्ड जारीकर्ताओं, बाजार के बुनियादी ढांचा संस्थानों, इकोसिस्टम पार्टनर्स और निवेशकों को एक साथ लाता है। भारत का कॉर्पोरेट बांड बाजार 59 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है, जबकि 1% से भी कम भारतीय परिवार बॉन्ड्स में निवेश करते हैं। यह व्यक्तिगत निवेशकों की व्यापक भागीदारी के लिए एक बड़े अवसर को रेखांकित करता है। जीआईबीएफ का उद्देश्य प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया, पॉडकास्ट, इन्फ्लुएंसर्स और एफिलिएट प्लेटफॉर्म्स पर फैले 360-डिग्री अभियान और अभियान अवधि के दौरान उपलब्ध निवेशक-केंद्रित पेशकशों के माध्यम से इस अंतर को दूर करना है।

इस लॉन्च के बारे में ग्रिप इन्वेस्ट के संस्थापक निखिल अग्रवाल ने कहा, ह्जीआईबीएफ एक उत्सव होने के साथ ही जागरूकता बढ़ाने की एक पहल भी है। एक तरफ बॉन्ड में रिटेल निवेशकों की भागीदारी 200% की सीएजीआर दर से बढ़कर सालाना 30,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। वहीं दूसरी तरफ, बॉन्ड की समझ और इसमें लोगों की हिस्सेदारी अब भी बहुत कम है। जीआईबीएफ एक ऐसा सालाना मंच है जो भारत के रिटेल बॉन्ड मार्केट के विकास में योगदान देगा और फिक्स्ड-इनकम निवेश को आम चर्चा का हिस्सा बनाएगा। श्रीराम कृष्णन, सीबीडीओ, एनएसई ने कहा, भारत के फिक्स्ड-इनकम बाजार में विकास और लोगों तक पहुंच बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं। पिछले चार महीनों में ही डेट निवेशकों की संख्या 3.25 गुना बढ़ी है, जो इस क्षेत्र में निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाती है। जैसे-जैसे निवेशक अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रहे हैं, बॉन्ड को अधिक सहज, सुलभ और आसान बनाना बाजार की मजबूती के लिए जरूरी होगा। 'ग्रेट इंडियन बॉन्ड फेस्टिवल' जैसी पहल जागरूकता बढ़ाने और व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। समीर पाटिल, सीबीओ, एनएसडीएल ने कहा, भारत के पूंजी बाजार में रिटेल निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है, और अब इसे अन्य एसेट क्लासेस तक विस्तारित करने का बेहतरीन अवसर है। अपने बड़े आकार और विविध उत्पादों के कारण, बॉन्ड मार्केट आम निवेशकों के पोर्टफोलियो में बड़ी भूमिका निभा सकता है। इसके लिए निवेशकों में बेहतर जागरूकता, आसान पहुंच और पारदर्शिता पर निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है। ग्रिप इन्वेस्ट का ग्रेट इंडियन बॉन्ड फेस्टिवल इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए सभी प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाता है, और एनएसडीएल इस प्रयास से जुड़कर बहुत खुश है।

ईरान की खाड़ी देशों को खुली चेतावनी, अमेरिका की मदद की तो भुगतना पड़ेगा अंजाम

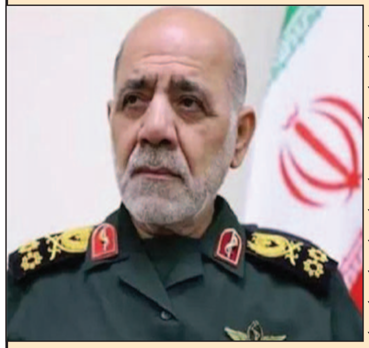

ईरान ।अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग की आंच अब खाड़ी देशों तक पहुंचती दिखाई दे रही है। ईरान की सशस्त्र सेनाओं ने बुधवार, 19 अगस्त को खाड़ी देशों को अमेरिका की सैन्य मदद या सुविधा उपलब्ध कराने के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी है। ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ अली अब्दोल्लाही ने कहा कि अगर कोई देश अमेरिकी सेना को सहायता या सुविधाएं देता है, तो उसे अमेरिकी सैन्य अभियान में शामिल माना जाएगा और उसे इसका अंजाम भी भुगतना पड़ेगा। ईरानी समाचार एजेंसी Mehr के मुताबिक, अब्दोल्लाही ने कहा कि किसी भी खाड़ी देश की ओर से अमेरिकी सेना को दी जाने वाली सहायता या सुविधा अमेरिकी सैन्य अभियान में भागीदारी के बराबर होगी। ईरान का यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियां बढ़ने की खबरें सामने आ रही हैं। ईरानी सैन्य अधिकारी ने विशेष रूप से खाड़ी देशों को संकेत दिया कि उनकी जमीन, हवाई अड्डों या अन्य सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ करता है तो तेहरान इसे गंभीरता से लेगा।अब्दोल्लाही ने कहा कि फारस की खाड़ी से लगने वाले कई देशों ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देंगे। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि ईरान क्षेत्र में चल रही गतिविधियों से पूरी तरह अवगत है। उन्होंने सवाल उठाया कि बड़ी संख्या में अमेरिकी सैन्य विमान, विशेष रूप से हवाई ईंधन भरने वाले विमान, क्षेत्रीय सैन्य ठिकानों पर मेजबान देशों की जानकारी के बिना मौजूद नहीं हो सकते। ईरान की चेतावनी ऐसे समय आई है जब अमेरिका का विमानवाहक पोत वरर जॉर्ज वॉशिंगटन मध्य पूर्व की ओर भेजा जा रहा है।